दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-63 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 15 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

छत्तीसगढ़ के वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटा, 11 की मौत

-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जताया गहरा शोक, दिए जांच के निर्देश

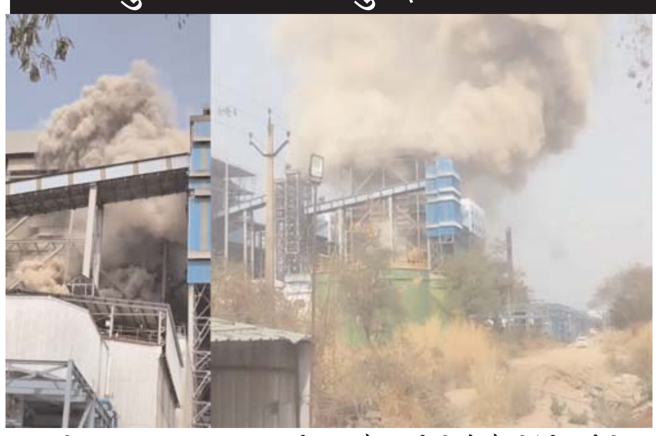

सक्ति/रायपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्लांट के भीतर बॉयलर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो, जबकि 11 लोगों की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब प्लांट में नियमित कार्य चल रहा था। अचानक हुए विस्फोट से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। हालांकि, प्रशासन की ओर से बयान आना बाकी है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस टीम मौके पर पहुंच रही है। साथ ही फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंच रही है। हादसे के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही हैअस्पातल से मिली जानकारी के मुताबिक, घायलों को तत्काल रायगढ़ के जिंदल अस्पताल ले जाया गया है। जहां 18 घायलों को भर्ती किया गया था। जिसमें से छह की मौत हो गई और चार की सक्ति में मौत हो गई थी। कुल अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है।एक घायल को मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया है। मृतक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजने की तैयारी की जा रही है। मौके पर पुलिस ओर प्रशासन की टीम मौजूद है। मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है सक्ति जिले के ग्राम सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए बॉयलर हादसे के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित और समन्वित कार्रवाई करते हुए राहत-बचाव कार्य प्रभावी ढंग से शुरू कर दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

विविध-समाचार

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए CM, बीजेपी विधायक दल ने चुना अपना नेता

पटना,(आरएनएस)। बिहार की राजनीति में आज बड़ा दिन है। 20 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री पद संभालने वाले नीतीश कुमार ने आज ष्टरूपद से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद अब सम्राट चौधरी बिहार के नए सीएम होंगे। बीजेपी के विधायकों ने उन्हें अपना नेता चुन लिया है। राजद से जदयू के रास्ते भाजपा पहुंचे सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा पहली बार बिहार में अपना मुख्यमंत्री दे रही है। वीर चंद्र पटेल मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी के विधायक दल की बैठक में सभी वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया। अब सम्राट कुछ देर में लोकभवन जाकर नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। दो बार डिप्टी सीएम रहे सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, अब तक उनके नाम के आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन भाजपा के विश्वस सूत्रों की मानें तो सम्राट चौधरी ही बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा कार्यालय में सम्राट चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। नीतीश कुमार भी सम्राट चौधरी ही मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। कहा जा रहा है कि भाजपा आलाकमान ने नीतीश कुमार के कहने पर ही सम्राट चौधरी के नाम पर मुहर लगाई।

इंस्टाग्राम-टेलीग्राम पर 180 लड़कियों के 350 अश्लील वीडियो वायरल, पूरे अमरावती में मचा हड़कंप

अमरावती ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से सनसनी मचाने वाला मामला सामने आया है। यहां इंस्टाग्राम और टेलीग्राम पर करीब 180 लड़कियों के 350 अश्लील वीडियो और फोटो वायरल होने से हड़कंप मच गया है। पीड़िताओं में कई नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के परतवाडा-अचलपुर इलाके से सामने आए अश्लील वीडियो कांड ने सनसनी फैला दी है। सोशल मीडिया पर लड़कियों आपत्तिजनक वीडियो और फोटो वायरल होने के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। कई लड़कियों के माता-पिता टेंशन में हैं। वहीं मामले में आरोपी दो मुस्लिम युवक परिवार के साथ फरार हो गए हैं। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, पिछले तीन दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप्स में लगातार वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें नाबालिग लड़कियों के साथ अश्लील हरकतें किए जाने के आरोप सामने आए हैं। इस पूरे मामले में राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि करीब 180 लड़कियां इस मामले में पीड़ित हैं, जिनमें अधिकतर नाबालिग हैं। राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे और हिंदू संगठनों ने अमरावती ग्रामीण पुलिस से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है।

खून से लाल हुई सड़कः दर्दनाक हादसे में 3 की मौत, नेशनल हाइवे पर खड़े ट्रेलर से टकराई बाइक

मऊगंज,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मऊगंज में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां नेशनल हाइवे 135 पर खड़े ट्रेलर से बाइक टकरा गई। इस दुर्घटना में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। जिसके बाद यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने के करीब 1 घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची जबकि थाना महज 3 किलोमीटर दूर था, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है। वहीं इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। सभी मृतकों को मऊगंज पुलिस ने मर्चुरी में रखवा दिया है।

लोकसभा में सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव लाएगी केंद्र सरकार, 543 से बढ़कर 850 होंगे सांसद

नईदिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक संसद का जो विशेष सत्र बुलाया है, उसमें लोकसभा के विस्तार का प्रस्ताव रखा जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने जा रही है और इसका मसौदा विधेयक सभी सांसदों को भेज दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, 850 सीटों में से 815 सीटें राज्यों को आवंटित होंगी और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा में सीटों को बढ़ाने का यह कदम नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) के कार्यान्वयन में तेजी लाने की योजना का हिस्सा है। इस विधेयक के पारित होने से लोकसभा में लगभग एक तिहाई सीटें, यानी 273 सीटें, महिला सांसदों के लिए आरक्षित की जाएंगी। केंद्र सरकार ने संविधान में संशोधन के संभावित प्रस्ताव से पहले सांसदों के साथ विधेयक का मसौदा साझा किया है। ये बदलाव 2029 के आम चुनावों से प्रभावी हो सकते हैं।केंद्र सरकार लोकसभा विस्तार को आकार देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 82 में बदलाव करके अनिवार्य निर्वाचन क्षेत्र की पुनर्सीमा की प्रक्रिया से हटा देगी।वर्तमान में अनुच्छेद 82 के तीसरे प्रावधान में साफ लिखा है कि 2026 की जनगणना के बाद अगली पुनर्सीमा होगी, लेकिन विधेयक में यह प्रावधान को हटा दिया जाएगा।

चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल 18 और डीजल 35 रूपये होंगे महंगा!

- तेल कंपनियों का दबाव बढ़ा, उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली (ए.)। कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों के चलते देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की एक रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल करीब 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 35 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है।रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे गए हैं, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अनुमान है कि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनियां कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं।

संविधान निर्माता होने के साथ नए भारत के निर्माता भी हैं बाबा साहेब : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नारी सशक्तिकरण के साहसी और प्रबल समर्थक थे बाबा साहेब

भोपाल (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्मभूमि पर उनकी जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। बाबा साहेब एक ऐसे युग दृष्टा थे, जिन्होंने एक हजार साल की गुलामी की कठिनाइयों को दूर करने और समाज के अंदर समानता के भाव को विकसित करने के लिए लड़ाई लड़ी थी। बाबा साहेब के योगदान से हम सभी गौरवान्वित होते हैं। हमें उनके बनाए संविधान के अनुसार ही चलना चाहिए। इससे श्रेष्ठ संविधान और कोई नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. अम्बेडकर द्वारा महिला समानता और सशक्तिकरण के लिए किए

गए प्रयासों और उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने बहनों को पिता की संपत्ति में अधिकार दिलाने, तलाक के समय मुआवजा और मातृत्व अवकाश दिलाने के लिए सराहनीय कार्य किया। उन्होंने हमें माताओं-बहनों के लिए समान काम-समान वेतन का दूरदृष्टि पूर्ण विचार दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में डॉ. अम्बेडकर की जन्मभूमि परिसर में आयोजित जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहेब महिला सशक्तिकरण के साहसी और प्रबल समर्थक थे। महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए बाबा साहेब ने अपनी कुर्सी तक छोड़ दी थी। न्यूनतम मजदूरी, कंपनी लॉ और महिला श्रमिकों को अधिकार हमें बाबा साहेब की ही देन है।

पुलिस से बचने भागे 2 तस्कर कुएं में गिरे, दोनों की मौत, कार से 5 केजी गांजा बरामद

शहडोल,(आरएनएस)। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पुलिस से बचकर भाग रहे दो तस्करों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना कामता कॉलेज तिराहे के पास की है, जहां नाइट गश्त कर रही पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन यह कोशिश उनकी जिंदगी की आखिरी साबित हुई। दरअसल पुलिस टीम को संदिग्ध क्रेटा कार नजर आई, पुलिस को देखकर चालक ने वाहन को तेज गति से भगाने की कोशिश की, लेकिन कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद कार में सवार दो युवक, तनुज शुक्ला (निवासी शहडोल) और सचिन सिंह बघेल (निवासी बुढार) घायल अवस्था में कार से निकलकर खेतों की ओर भागने लगे।

अगले 5 दिनों में आसमान से बरसेगी आग, भीषण गर्मी को लेकर आया अलर्ट

नईदिल्ली (आरएनएस)। देशभर में अब दिन के साथ रात का तापमान भी बढ़ने लगा है। इससे रात के समय भी पंखे-कूलर चलने लगे हैं। आधा अप्रैल बीत जाने के बाद कई शहरों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा है। जहां मैदानी इलाकों में चिलचिलाती गर्मी शुरू हो गई है, वहीं पहाड़ी इलाकों में अभी भी ठंडा मौसम बना हुआ है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अधिकांश राज्यों में अगले 4-5 दिनों में अधिकतम तापमान 3-6 डिग्री बढ़ने का अनुमान जताया है।उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार में गर्मी ने तीखे तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को इन राज्यों के कुछ शहरों में पारा 41 डिग्री को पार कर गया। आने वाले दिनों में इन राज्यों में तापमान 3-4 डिग्री बढ़ने के साथ लू चलना शुरू हो जाएंगी। हरियाणा में भी सोमवार को 19 शहरों का तापमान 35 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। अगले 7 दिनों में यहां तापमान में 4-6 डिग्री का इजाफा हो सकता है।दिल्ली में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान दिन का तापमान 4-5 डिग्री तक बढ़ सकता है। इससे राजधानी में गर्मी का असर तेजी होगा। फिलहाल तापमान सामान्य के आस-पास बना रहेगा, लेकिन अगले 24 घंटे के बाद ऊपर पहुंच सकता है। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान में भी 3-4 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे रातें भी गर्मी आहत करेगी।

एमपी में नारी शक्ति वंदन का शंखनाद

महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को मिलेंगी नई ऊंचाइयां : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपालम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को नई ऊंचाइयां देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक पहल की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम की मूल भावना को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 10 से 25 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 अप्रैल को शाम 4 बजे रवीन्द्र भवन में राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम होगा। इस दौरान महिला नेतृत्व की यात्रा विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो महिला शक्ति के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाएगी। इस गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव शामिल होंगे और शासन व्यवस्था में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने और नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने पर विशेष विमर्श करेंगे।

1 लाख कमाने वाली पत्नी ने मांगा मेंटिनेंस तो भड़का कोर्ट, कहा- यह तो मांस नोचने जैसा

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि आर्थिक रूप से सक्षम पत्नी द्वारा मेंटिनेंस (भरण-पोषण) की मांग उचित नहीं ठहराई जा सकती। अदालत ने इस मामले में कड़ी टिप्पणी करते हुए याचिका को खारिज कर दिया और फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति Justice Vivek Jain ने सुनवाई के दौरान अंग्रेजी साहित्यकार William Shakespeare के प्रसिद्ध नाटक The Merchant of Venice का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मांग वैसी ही प्रतीत होती है, जैसे किसी के शरीर से मांस का टुकड़ा मांगना। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसी मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने पाया कि महिला की मासिक आय 1 लाख से अधिक है, जिससे वह अपना जीवन-यापन आराम से कर सकती है। साथ ही, दंपति का कोई बच्चा भी नहीं है, जिसके पालन-पोषण का अतिरिक्त दायित्व हो। कोर्ट ने कहा कि मेंटिनेंस का प्रावधान उन परिस्थितियों में लागू होता है, जब पत्नी आर्थिक रूप से निर्भर हो या बच्चों की जिम्मेदारी हो। इस मामले में ऐसा कोई आधार नहीं बनता।इससे पहले 18 फरवरी 2026 को फैमिली कोर्ट ने आदेश दिया था कि तलाक की प्रक्रिया पूरी होने तक महिला को कोई मेंटिनेंस नहीं दिया जाएगा। हाई कोर्ट ने इस फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि इसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। दंपति का विवाह 4 नवंबर 2022 को हुआ था और 2023 से दोनों अलग रह रहे हैं। पति ने तलाक की याचिका दायर की थी, जबकि पत्नी ने अदालत से मेंटिनेंस की मांग की थी।याचिका में महिला ने स्वीकार किया था कि वह नौकरी करती हैं और पहले उनकी वार्षिक आय करीब 20 लाख थी, जबकि उनके पति की आय 30 लाख से अधिक बताई गई। बाद में महिला ने अदालत में कहा कि उनकी आय घटकर लगभग 14 लाख सालाना रह गई है। हालांकि, हाई कोर्ट ने कहा कि यदि इस आंकड़े को भी स्वीकार किया जाए, तब भी महिला की मासिक आय लगभग 1.25 लाख बनती है, जो उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाती है।अदालत ने अपने फैसले में दोहराया कि मेंटिनेंस का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर या आश्रित जीवनसाथी की सहायता करना है, न कि पहले से सक्षम व्यक्ति को अतिरिक्त लाभ देना।

बाबासाहेब के विचारों पर बना है देश, रक्षा के लिए आखिरी दम तक लड़ते रहेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है। वे पूरी शक्ति के साथ आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने हमें सिर्फ संविधान नहीं, न्याय, समानता और सम्मान पर आधारित एक सशक्त भारत का सपना दिया। लेकिन आज कुछ ताकतें सुनियोजित तरीके से बाबासाहेब की इस विरासत और हमारे संविधान को कमजोर करने में लगी हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं को खोखला किया जा रहा है, अधिकारों को कुचला जा रहा है और समता की सोच पर हमला हो रहा है। उन्होंने आगे लिखा, यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है। मैं पूरी शक्ति के साथ आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ता रहूंगा। हम सब मिल कर बाबा साहेब के सपनों के भारत को फिर से साकार करेंगे। इसके साथ ही राहुल गांधी ने सभी को अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर हम उस दूरदर्शी महापुरुष को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को उसकी नैतिक और संवैधानिक आत्मा प्रदान की। बाबासाहेब न सिर्फ भारत के संविधान के निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लिए एक अथक योद्धा भी थे। ये वे मूल्य हैं जो भारत के मूल विचार को परिभाषित करते हैं।

उन्होंने आगे लिखा, आज, जब संविधान एक षड्यंत्रकारी हमले का सामना कर रहा है, तब उनके शब्द और उनकी चेतावनियां एक नई और गहन प्रासंगिकता के साथ गूंज रही हैं। यह एक ऐसा क्षण है जो साहस और दृढ़ विश्वास की मांग करता है।

राज्यपाल पटेल ने भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर किया नमन

– लोकभवन के बैंक्वेट हॉल में हुआ कार्यक्रम

भोपाल,(निप्र.) । मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल पटेल ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। भोपाल स्थित लोकभवन के बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर लोकभवन के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी भारत के पहले विधि एवं न्याय मंत्री डॉ. अम्बेडकर को आदरांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज घोषित करेंगे एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणाम

सुबह 11 बजे जारी होगा रिजल्ट, माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और डिजिलॉकर पर विद्यार्थी देख सकेंगे परिणाम

भोपाल, (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को समत्व भवन, भोपाल से एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं, 12वीं एवं विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.एस.ई.) मुख्य परीक्षा 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित करेंगे। यह परिणाम 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे जारी किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न वेबसाइटों पर परिणाम देखने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा छात्र-छात्राएं अपना रिजल्ट मोबाइल ऐप, डिजिलॉकर के माध्यम से भी अपना परीक्षा परिणाम आसानी से देख सकेंगे।

विद्यार्थी इन वेबसाइटों पर देख सकेंगे परीक्षा परिणाम

-https://mpbse.mponline.gov.in
https://www.digilocker.gov.in/web/dashboard/issuers
-https://www.jagranjosh.com
https://education.indiane&press.com
-https://www.fastresult.in

https://www.hindustantimes.com/education www.livehindustan.com
https://toi.in/mpbseresult_classvw
https://toi.in/mpbseresult classv®
-https://www.tv~hindi.com/education https://www.news~live.com
-https://www.ndtv.in
-https://arivihan.com/search-mp-board-result

मोबाइल ऐप पर भी देख सकेंगे परिणाम

कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम विद्यार्थी और अभिभावक मोबाइल पर भी देख सकेंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को Google Play Store पर जाकर MPBSE MOBILE App अथवा MP Mobile App Download करना होगा। फिर Know Your Result आप्शन का चयन कर विद्यार्थी को अपना अनुक्रमांक (Roll Number) और आवेदन क्रमांक (Application Number) डालकर (submit) करना होगा। इसके अलावा विद्यार्थी Digilocker के माध्यम से अपना परीक्षा परिणाम देख सकेंगे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं का होगा तेजी से सशक्तिकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री द्वारा लिया गया निर्णय 21वीं सदी का सबसे अहम फैसला साबित होगा

विभिन्न वर्गों की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई इंदौर के नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में

भोपाल,(निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी महिलाओं के हित में लगातार निर्णय लेकर महिलाओं को अधिकार देने के साथ उन्हें सशक्त बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. अंबेडकर की पहल को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने का संकल्प लिया है। यह 21वीं शताब्दी का सबसे बड़ा निर्णय है। इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद नारी शक्ति का तेजी से सशक्तिकरण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के परस्पर नगर स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुप्रीम

कोर्ट के निर्णयों का पालन करते हुए मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर उनके हित में नया इतिहास लिखा, तो वहीं अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर देवी अहिल्याबाई का शहर है और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्मस्थली है। आज हम जिस सभागृह में उपस्थित है वह लता मंगेशकर की स्मृति में बनाया गया है।

यशोदा माता, पन्नाधाय, अहिल्याबाई और रानी दुर्गावती उत्कृष्ट का व्यक्तित्व अमर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर मां-बेटे का संबंध किसी को बताना है तो सिर्फ यशोदा मैया का नाम लेने से कृष्ण-कन्हैया का स्वत: ही स्मरण हो जाता है। यशोदा मैया के प्रण की पराकाष्ठा ऐसी थी कि उन्होंने अपनी संतान के प्राणों की चिंता न करते हुए कन्हैया का लालन-पालन किया। जब तक कन्हैया उनके पास रहे कभी बाल बराबर भी आंच नहीं आने दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना धाय का उदाहरण देते हुए कहा कि एक मां ने राज परिवार के बच्चे के प्राणों की रक्षा के लिए अपने कलेजे के टुकड़े को आंखों के सामने बलिदान होते देखा। वहीं, इंदौर में सुशासन स्थापित करने वाली लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने प्रजा के हितों की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। जब पेशवा की सेना राज्य पर आक्रमण करने आई तो माता अहिल्याबाई ने सेना तैयार की, जिसका नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया था। उन्होंने अपनी युक्ति और बुद्धि से पेशवाओं को सचेत किया कि बहनों से युद्ध करने पर इतिहास में इसका परिणाम किस प्रकार देखा जाएगा। बहनें कभी हारने वाली नहीं हैं, अगर हार भी गए तो पेशवाओं के माथे पर कलंक लगेगा कि उन्होंने पूरी ताकत से लड़ते हुए राज्य की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल की रानी दुर्गावती ने अकबर के शासनकाल में 52 युद्ध लड़े और सभी में विजय प्राप्त की थी। आखिरी युद्ध में दुश्मन सेना ने तोप का प्रयोग किया।

पाइपलाइन बिछी है तो पीएनजी कनेक्शन जरूर लें : मंत्री श्री राजपूत

अब तक 2925 स्थानों पर हुई जाँच, 4369 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल,(निप्र.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2925 स्थानों पर जांच की गई, 4369 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 753 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध में कच्चे तेल (Crude Oil) का पर्याप्त भण्डार है।

कलारी के बाहर हुए मामूली विवाद में बदमाशों ने हवाई फायर कर फैलाई दहशत

– सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, पुलिस ने शुरु की बदमाशो की तलाश

भोपाल(ए.)। जहांगीराबाद थाना इलाके में स्थित शराब की कलारी के बाहर बीती दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब दो बदमाशों ने मामूली विवाद के दौरान कट्टे से हवाई फायर कर दहशत फैलाई और फरार हो गए। पूरी वारदात कलारी के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम कर फुटेज के आधार पर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही बदमाशो को पकड़ लिया जायेगा।

थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम में पदस्थ अरविंद लोट के परिचित की नमकीन की दुकान बरखेड़ी में स्थित कलारी के बाहर है। बीती दोपहर अरविंद उसकी परिचित की दुकान पर बैठा हुआ था। उसी समय आरोपी आसिम उर्फ डमरू अपने एक अन्य साथी के साथ दुकान पर आया और कुछ सामान खरीदा। सामान खरीदने के बाद दोनों बदमाशों की अरविंद से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर गुस्साए आरोपी आसिम ने अपने पास रखा कट्टा निकालकर हवाई फायर कर दिया। गोली की आवाज से आसपास के इलाके में दहशत फैल गई वहीं दोनो बदमाश मौके से फरार हो गए। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कलारी में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किये जिसमें बदमाश फायर करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले में पुलिस ने देर रात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी धरपकड़ के प्रयास शुरु कर दिये है।

दमोह के डायल-112 हीरोज

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 03 व्यक्तियों को त्वरित सहायता से पहुँचाया अस्पताल

भोपाल,(निप्र.)। दमोह जिले के थाना बटियागढ़ क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से बाइक एवं ट्रक की टक्कर में गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। 14 अप्रैल 2026 को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना बटियागढ़ क्षेत्र में मोटरसाइकिल एवं ट्रक की टक्कर हो गई है, जिसमें 03 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं एवं तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही दमोह डायल-112 कंट्रोल रूम में पदस्थ आरक्षक श्री देवेश तिवारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना बटियागढ़ क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही-14 वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

भोपाल जिले में जनगणना के प्रथम चरण की तैयारियां पूर्ण

6000 प्रगणक करेगें मकानों की गणना एवं सूचीकरण का काम

भोपाल,(निप्र.)। भारत की जनगणना 2026-27 के अंतर्गत जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना का प्रथम चरण प्रारंभ किया गया है। इस चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है, जिसमें घर-घर जाकर भवन/मकान नम्बर अंकन, अनुमानित परिवार संख्या, मुखिया का नाम, निवास का स्वरूप (आवासीय/अनावासीय) सहित अन्य आवश्यक जनगणना संबंधी आंकड़ों का संग्रहण किया जाएगा। जिला जनगणना अधिकारी ने बताया कि एक मई से प्रारंभ होने वाले प्रथम चरण में उक्त कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से संपादित करने के उद्देश्य से #HLB भोपाल जिले के शहरी क्षेत्र को 25 चार्जों में बांटा गया है जिसमें चार्ज स्तर पर ही 5042 प्रगणकों की नियुक्ति की गई है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र के चार्जों में 907 प्रगणकों की नियुक्ति की गई है। एक प्रगणक को 200 मकानों की गणना करनी है। ग्रामीण क्षेत्र में 04 चार्ज बनाए गए हैं जिसमें बैरसिया नगर परिषद, बैरसिया ग्रामीण, हुजूर एवं कोलार इसके साथ ही उनके कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक 6 प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है। चार्ज स्तर पर प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा हैं जो 15 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक चलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी इसमें मकान नम्बरिंग की प्रक्रिया, सूचीकरण के दौरान सावधानियां, घर-घर भ्रमण की कार्ययोजना, अभिलेखों की शुद्धता, समय-सीमा के पालन तथा आम नागरिकों से समन्वय बनाकर कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया है। जनगणना 2026-27 का पहला चरण (मकान सूचीकरण और आवास गणना) 1 मई 2026 से शुरू होकर 30 मई के बीच चलेगा, जो पूरी तरह डिजिटल होगा। इसमें 33 सवालों के साथ मकानों की जियो-टैगिंग और पहली बार ऑनलाइन स्व-गणना (Self-enumeration) का विकल्प दिया जा रहा है। जो 16अप्रैल से प्रारंभ होकर 30 अप्रैल तक चलेगा।

प्रथम चरण (मकान सूचीकरण) की मुख्य तैयारियां

डिजिटल सर्वे (Digital Census): डेटा संग्रहण के लिए मोबाइल ऐप और स्मार्टफोन का उपयोग। स्व-गणना पोर्टल: नागरिक se.census.gov.in पोर्टल या News On AIR पर घर बैठे 15 दिनों के भीतर खुद की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। 33 सवालों का सेट: घर की बनावट (छत, दीवार, फर्श), मकान नंबर, परिवार के सदस्यों की संख्या, और सुविधाओं (पानी, बिजली, शौचालय, वाहन) से जुड़े 33 सवाल पूछे जाएंगे। मकानों की जियो-टैगिंग की जाएगी, जिससे सही डिजिटल मैपिंग हो सके। मकान सूचीकरण और आवास गणना 1 मई से शुरू होकर 30 मई तक जारी रहेगी जिसमें प्रत्येक संरचना को एक विशिष्ट पहचान संख्या दी जाएगी।

आरोग्य भारती एवं पं. खुशीलाल शर्मा महाविद्यालय में सर्वकल्पम् 2026 एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन

भोपाल (ए.)। आरोग्य भारती एवं पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान,भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सर्वकल्पम् 2026 शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया। इस संगोष्ठी का विषय "Ayurveda Dermatology and its Daivyapashraya Chikitsa" (आयुर्वेदिक त्वचा विज्ञान एवं उसकी दैवव्यपाश्रय चिकित्सा) रहा, जिसमें आयुर्वेद के इस विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण आयाम पर गहन विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (NCISM) की अध्यक्षा डॉ. मनीषा कोठेकर, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (RAV) की अध्यक्षा डॉ. वंदना सिरोहा तथा आरोग्य भारती की राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. अशोक कुमार वर्शनिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगोष्ठी में लगभग 800 से अधिक छात्र-छात्राओं, वैद्यगण, विभिन्न आयुर्वेद महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं विश्वविद्यालयों के कुलपतियों (VCs) ने सहभागिता कर कार्यक्रम को अत्यंत गरिमामय बनाया।अपने उद्बोधन में डॉ. मनीषा कोठेकर ने पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय की सराहना करते हुए इसे विश्वस्तरीय (W orld Class) संस्थान के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संस्थान के नेतृत्व में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ. उमेश शुक्ला के प्रबंधन एवं मार्गदर्शन की प्रशंसा की तथा कहा कि यह संस्थान अपनी गुणवत्ता एवं कार्यप्रणाली के कारण पूरे देश में एक आदर्श (Role Model) आयुर्वेदिक संस्थान के रूप में स्थापित होने की क्षमता रखता है। संगोष्ठी के दौरान आयुर्वेदिक त्वचा रोगों के निदान, उपचार तथा दैवव्यपाश्रय चिकित्सा के सिद्धांतों एवं उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में संस्थान के प्राध्यापकगण,चिकित्सक,शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। आयोजन समिति द्वारा संगोष्ठी के सफल संचालन के लिए सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हमारे आचरण में दिखें बाबा साहब के विचार : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

भोपाल, (निप्र.)। सामाजिक समरसता के अग्रदूत डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि बाबा साहब को जितना सुनना और पढ़ना आवश्यक है, उतना ही जरूरी उनके विचारों को आत्मसात करना भी है। बाबा साहब के विचार हमारे आचरण में दिखने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर को उच्च शिक्षा के लिए विदेश (अमेरिका) भेजने में बड़ौदा के तत्कालीन महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने मुख्य भूमिका निभाई थी, उसी प्रकार हमें अपने स्तर पर आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करनी चाहिए।

मप्र में चेहरा देखकर मिलेगा राशन

– जल्द लागू होगी फेस रिकग्निशन की व्यवस्था

भोपाल (ए)। अब तक राशन के पात्र परिवारों को बॉयोमेट्रिक वेरिफिकेशन के आधार पर राशन मिलता है, लेकिन साल के अंत तक राशन फेस रिकग्निशन की व्यवस्था के तहत मिलेगा. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि साल के अंत तक पात्र परिवारों को उचित मूल्य दुकानों से फेस रिकग्निशन के माध्यम से राशन वितरण की योजना है. ये व्यवस्था दिसंबर 2026 तक प्रदेश भर में लागू कर दी जाएगी।

सरकार द्वारा राशन वितरण के लिए बॉयोमेट्रिक वेरिफिकेशन की व्यवस्था लागू है. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत पात्र परिवारों को बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन के आधार पर राशन वितरित किया जा रहा है. व्यवस्था के तहत पीओएस मशीन में फिंगर और थंब इंप्रेशन सही पाए जाने पर राशन मिलता है. ऐसे में जो वृद्ध और दिव्यांगजन राशन दुकान तक नहीं पहुंच पाते हैं और उनका बॉयोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो सकता है या विफल रहता है. ऐसे हितग्राहियों को उनके आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर राशन दिया जाता है. ऐसे प्रदेश में 44 हजार 671 राशन हितग्राही हैं, जिनके परिवार के सदस्यों को नॉमिनी बनाकर राशन दिया जा रहा है. अब दिसंबर 2026 से फेस रिकग्निशन व्यवस्था के तहत राशन मिलेगा।

बाबासाहेब की 135वीं जयंती पर महू में भव्य आयोजन, आयोग अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने अर्पित की श्रद्धांजलि

महू/सेंधवा (ए.)। भारत रत्न एवं संविधान शिल्पी डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली महू में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता की। प्रात:काल श्री आर्य ने बाबासाहेब के जन्मस्थली स्मारक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और आयोग की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

संवैधानिक सुरक्षा राष्ट्र की प्रगति का आधार मीडिया से चर्चा करते हुए श्री आर्य ने कहा कि बाबासाहेब द्वारा निर्मित संवैधानिक ढांचा आज देश के वंचित, शोषित एवं जनजातीय समाज के अधिकारों की सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब का समतामूलक भारत का सपना आज भी देश के विकास का मार्गदर्शक है। उन्होंने सभी देशवासियों को जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयोग जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।श्रद्धांजलि के पश्चात श्री आर्य बाबासाहेब के परिजनों द्वारा आयोजित निजी कार्यक्रम में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर परिजनों से आत्मीय मुलाकात की तथा सामाजिक समरसता एवं एकता के विषय पर विचार-विमर्श किया।इसके बाद श्री आर्य डॉ. बी.आर. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां कुलगुरु प्रो. रामदास आत्राम ने उनका स्वागत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके उपरांत आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में जनजातीय अनुसंधान, शोध परियोजनाओं एवं समाज की वर्तमान चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। श्री आर्य ने विश्वविद्यालय को जनजातीय विकास के लिए प्रभावी शोध, नवाचार और नीतिगत सुझावों पर अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सागरः कलेक्टर ने औचक निरीक्षण कर नरयावली स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाएं जांची

सागर, (ए.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मंगलवार को नरयावली विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल और जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी समेत प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केवल कागजी कार्रवाई नहीं देखी, बल्कि केंद्र में इलाज कराने आए मरीजों से सीधे संवाद किया। उन्होंने मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली और कुछ मरीजों की जांच अपनी मौजूदगी में ही करवाई, ताकि जांच उपकरणों और स्टाफ की कार्यकुशलता को परखा जा सके।

उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती, निकली रैलियां और चल-समारोह

राजगढ़,(ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को उत्साह, श्रद्धा और सामाजिक एकता के संदेश के साथ मनाई गई। ब्यावरा शहर सहित आसपास के गांवों में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें वाहन रैलियां और चल-समारोह विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। ब्यावरा शहर में जाटव समाज नवयुवक मंडल द्वारा समाज की धर्मशाला से वाहन रैली निकालकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। रैली शहर के मुख्य मार्गों से होकर पुन: धर्मशाला पहुंची। इसके बाद समाजजनों ने चल-समारोह निकाला, जो सुठालिया रोड, मैन मार्केट और पीपल चैराहे से होते हुए अंबेडकर चैराहे तक पहुंचा। कार्यक्रम के समापन पर समाज के प्रमुख वक्ताओं ने संबोधित करते हुए शिक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। वक्ताओं ने नई पीढ़ी को शिक्षित करने और समाज में समानता का वातावरण बनाने पर जोर दिया।इसी क्रम में नजदीकी ग्राम

बरखेड़ा में अहिरवार समाज ने भव्य चल-समारोह का आयोजन किया। जुलूस गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए आयोजन स्थल पहुंचा, जहां समाजजनों ने बाबा साहेब की पूजा-अर्चना कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ग्राम मलावर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर जयंती को उत्साहपूर्वक मनाते हुए उनके जीवन, संघर्ष और विचारों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ नेताओं ने समाजहित में उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

देश के प्रति वफ़ादार रहना हमारा कर्तव्य - सैय्यदना मुफादल सैफुदीन साहब

बुरहानपुर (ए.)। विश्व प्रसिद्ध दरगाह ए हकीमी मे सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुदीन साहब के और उसके मौके पर दाऊदी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब का बुरहानपुर आगमन हुआ है जिसमे भारत

सहित पुरे विश्व मे रेहने वाले दाऊदी बोहरा अनुयाई भी यहां आये डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के बुरहानपुर आगमन और मौला हकीमुद्दीन साहब के उर्स के संबंध में जानकारी देते हुए दाऊदी बोहरा जमात पीआरओ कमेटी कोऑडिनेटर तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने बातया की दाऊदी बोहरा समाज के आध्यत्मिक ओर रूहानी शख्सियत सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुद्दीन साहब के उर्स के अवसर पर 53 वें धर्मगुरु सैयदाना डॉ. मुफादल सैफुदीन साहब ने बुरहानपुर मे शिरकत की। सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुद्दीन साहब का जन्म 1665 मे रामपुर मे हुआ अत्यंत विद्वान्, धर्मप्रेमी -विनम्रता के चलते आप से दूर दूर लोगो मिलने आते ओर आपका फैज़ पाते आप की शख्सियत रूहानी दिनी रही आप साहित्य प्रेमी ओर महान लेखक थे उन्होंने उर्दू, संस्कृत, फ़ारसी ओर अरबी भाषाओं मे कई पुस्तके लिखी जो आज भी लोगो को प्रेरित करती है। इस अवसर पर सैय्यदना डॉ. मुफादल सैफुदीन साहब ने अपने पूर्वज सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुद्दीन साहब के उर्स के अवसर पर दरगाह मे जियारत कर पुष्प चढ़ाये साथ ही 53 वें धर्मगुरु सैय्यदना डॉ. मुफादल सैफुदीन साहब ने अपने मुल्क भारत के साथ साथ पुरे विश्व मे शांति सदभावना ओर खुशहाली की दुआएं की।

ट्रक से टकराया मिनी कंटेनर, पुलिस ने बचाई चालक की जान

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर देहात ब्यावरा थाना क्षेत्र के गुना नाका के समीप मंगलवार अल सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इंदौर से नोएडा की ओर जा रहा डाक पार्सल मिनी कंटेनर अचानक आगे चल रहे अज्ञात ट्रक से जा टकराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सामने चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिसके कारण पीछे आ रहा कंटेनर अनियंत्रित होकर ट्रक के पीछे घुस गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और केबिन अंदर की ओर धंस गया। हादसे में चालक नेमसिंह (34), निवासी ग्राम फालैन, जिला मथुरा, सीट और बोनट के बीच बुरी तरह फंस गया। करीब एक घंटे तक वह केबिन में ही फंसा रहा और स्वयं बाहर निकलना संभव नहीं था। सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

मंदसौर की महिलाओं ने घोल दी महानगरों में मिठास

ग्राम पिपल्या कराड़िया महाराणा समूह बना स्व-रोजगार की मिसाल आत्मनिर्भरता का रचा मॉडल, दूसरों को भी दिया रोजगार

मंदसौर (ए.)। प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण आजीविका मिशन सक्रियता से कार्य कर रहा है। मिशन की प्रभावी पहल से मंदसौर जिले के ग्राम पिपल्या कराड़िया की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक कहानी लिखी है। 'महाराणा स्व-सहायता समूह' आज न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहा है, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर रहा है। समूह की महिलाएं प्राकृतिक और स्वादिष्ट जूस एवं शेक निर्माण में दक्ष हो चुकी हैं। इनके उत्पादों में लेमन, जीरा, जिंजर लेमन, कच्ची केरी, आंवला जूस के साथ-साथ मिल्क शेक, बादाम शेक, राजभोग और शाही गुलाब शेक शामिल हैं, जो ग्राहकों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा हैं।ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मंदसौर जिले के इस समूह को आगे बढ़ने के लिए वित्तीय सहायता के रूप में 5 लाख का बैंक ऋण, डेढ़ लाख की सामुदायिक निवेश निधि तथा 10 हजार की चक्रीय राशि प्रदान की गई। इस सहयोग ने समूह को अपने व्यवसाय को मजबूती देने और विस्तार करने में महत्वपूर्ण आधार प्रदान किया।

दिल्ली और चंडीगढ़ तक पहुँची उत्पादों की गूंज

आजीविका मिशन के मार्गदर्शन और सहयोग से समूह ने स्थानीय स्तर से आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उज्जैन, भोपाल, दिल्ली, नोएडा, सूरत, बड़ौदा, चंडीगढ़ और गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों में आयोजित मेलों में सहभागिता कर समूह ने अपने उत्पादों की विशेष पहचान स्थापित की है।'महाराणा स्वसहायता समूह' प्रति माह 25 हजार से 30 हजार की शुद्ध आय अर्जित कर रहा है, जिससे वार्षिक आय लगभग 4 लाख तक पहुंच रही है। यह समूह अपनी 10 महिला सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है, वहीं दस अन्य लोगों

को प्रत्यक्ष रोजगार भी उपलब्ध करा रहा है। 'महाराणा समूह' आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरा है, जो यह संदेश देता है कि सही मार्गदर्शन और शासन के सहयोग से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

प्रदेश में इन प्रकल्पों में आगे हैं महिलाएं

मध्यप्रदेश में दीदी कैफे संचालन, होम स्टे संचालन, अनेक लघु उद्योगों और व्यवसायों के संचालन के साथ ही टोल टैक्स पर दायित्व निभाकर महिलाएं नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं। लगभग 5 लाख स्व-सहायता समूहों के संचालन में सार्थक भूमिका निभाते हुए 62 लाख से अधिक बहनें आत्मनिर्भर बनी हैं। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के अभियान को अच्छी सफलता मिली है। जहाँ शहरों की बेटियां पायलट बनकर हवाई जहाज उड़ा रही हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियां क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों और पर्वतारोहण जैसी साहसिक गतिविधियों में शामिल होकर पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रौशन कर रही हैं।

व्यापार समाचार

सोने-चांदी की कीमतों में अचानक आई भारी गिरावट, औंधे मुंह गिरे भाव; यहां चेक करें अपने शहर के ताज़ा रेट

नई दिल्ली (आरएनएस)। हफ्ते के पहले ही दिन यानी सोमवार को सर्राफा बाजार से ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। शुरुआती रुझानों में सोने और चांदी दोनों ही बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। अगर आप भी शादी-ब्याह या किसी अन्य मौके के लिए गहने खरीदने का मन बना रहे हैं, तो यह आपके लिए एक अच्छा अवसर साबित हो सकता है।

वायदा बाजार में भी लुढ़के दोनों धातुओं के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर सोमवार सुबह दोनों धातुओं के भाव लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। सुबह 10:15 बजे के आंकड़ों के अनुसार, 5 जून 2026 की डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध में बीते सत्र के मुकाबले 0.63 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद इसका भाव 1,51,686 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, चांदी की कीमतों में सोने से भी ज्यादा गिरावट देखी गई। 5 मई 2026 की डिलीवरी वाले चांदी के अनुबंध की कीमत 2.10 प्रतिशत टूटकर 2,38,163 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई।

देश के प्रमुख महानगरों में आज के ताजा रेट

हाजिर बाजार में भी देश के प्रमुख शहरों में सोने के दामों में बदलाव देखने को मिला है। राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां 24 कैरेट सोने का भाव 15,261 रुपये प्रति ग्राम है, जबकि 22 कैरेट 13,990 रुपये और 18 कैरेट 11,449 रुपये प्रति ग्राम बिक रहा है। आर्थिक राजधानी मुंबई के साथ-साथ कोलकाता और बेंगलुरु में सोने के दाम एक समान रहे। इन तीनों शहरों में 24 कैरेट सोना 15,246 रुपये, 22 कैरेट 13,975 रुपये और 18 कैरेट 11,434 रुपये प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं, चेन्नई में सोना अन्य शहरों के मुकाबले थोड़ा महंगा बिक रहा है। यहां 24 कैरेट सोने का भाव 15,338 रुपये, 22 कैरेट 14,060 रुपये और 18 कैरेट 11,730 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तनाव के बीच घटे दाम

वैश्विक बाजार की बात करें तो ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के आंकड़ों के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोमवार को सोने की कीमतों में करीब 2 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के बाद सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के अहम स्तर से नीचे खिसक गया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले सप्ताह की भारी तेजी के बाद यह गिरावट मुख्य रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के कारण आई है। अमेरिका द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध लगाने की योजना और ईरान के साथ वार्ता विफल होने के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट को लेकर चिंताएं काफी बढ़ गई हैं, जिसका सीधा असर अब सर्राफा बाजार की चाल पर देखने को मिल रहा है।

जीरो टैक्स होने पर भी ITR भरना क्यों है जरूरी? जानें 5 बड़े फायदे

नई दिल्ली (आरएनएस), ।वित्त वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026) में कई ऐसे करदाता हैं जिनकी आय टैक्स के दायरे से नीचे रह सकती है। इसका कारण सेक्शन 87ए के तहत मिलने वाली छूट, कटौतियां या पार्ट-टाइम काम, फ्रीलांसिंग और डिविडेंड जैसी कम आय हो सकती है।ऐसे में, एक आम सवाल उठता है कि जब टैक्स देनदारी शून्य है तो क्या इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरना जरूरी है? इसका जवाब है—हां, कई मामलों में 'निल आईटीआर' फाइल करना फायदेमंद और समझदारी भरा कदम होता है।जानकारों का कहना है कि असल में आईटीआर फाइल करना सिर्फ टैक्स चुकाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपकी सालाना आय का एक आधिकारिक रिकॉर्ड होता है, जो आयकर विभाग के पास दर्ज रहता है। भले ही आपकी टैक्स देनदारी शून्य हो, फिर भी आईटीआर भरने से आपकी वित्तीय हिस्ट्री साफ और व्यवस्थित रहती है, जो आगे चलकर कई कामों में मदद करती है।

रेलवे नौकरी अलर्ट : केआरसीएल में 2 पदों पर भर्ती जारी, 63 साल तक के उम्मीदवार कर सकते हैं आवेदन

अमरावती (आरएनएस),। भारतीय रेलवे में नौकरी करने की इच्छा रखने वालों के लिए कोंकण रेलवे निगम लिमिटेड (केआरसीएल) ने वर्क मैनेजर और असिस्टेंट वर्क मैनेजर के कुल दो पदों पर भर्ती के लिए अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर वैकेंसी निकाली है। केआरसीएल की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन (ईमेल) के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल से शुरू हो गई है और आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने की सोच रहे हैं, उन्हें तय समय सीमा के भीतर अपना एप्लीकेशन फॉर्म जमा करने की सलाह दी जाती है।आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त (एआईसीटीई) विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स/ मैकेनिकल/प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स भारतीय रेलवे/भारतीय रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सेवानिवृत्त यांत्रिक विभाग के अधिकारी होने चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स के पास तय सालों का अनुभव होना भी अनिवार्य है।

उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 63 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 10 अप्रैल के आधार पर की जाएगी। वहीं, चयनित अभ्यर्थियों की सैलरी 39,100 से 15,600 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसी के साथ कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे। वहीं, उम्मीदवारों की पोस्टिंग वडालापुडी कार्यशाला, विशाखापत्तनम में होगी।

आवेदन करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले केआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद संबंधित पद के लिए जारी ऑफिशियल नोटिफिकेशन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद अधिसूचना में दिए गए एप्लीकेशन फॉर्म को डाउनलोड कर उसका प्रिंट आउट निकाल लें। फिर फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियों को दर्ज करें। मांगे गए सभी डॉक्यूमेंट्स को आवेदन के साथ अटैच करें। फिर रजिस्ट्रेशन फॉर्म को सभी संबंधित डॉक्यूमेंट्स के साथ एक ही फाइल में नोटिफिकेशन में दिए गए ईमेल आईटी पर तय लास्ट डेट के शाम 05.30 बजे तक या उससे पहले मेल कर दें। वहीं, लास्ट में आवेदन पत्र का प्रिंट आउट भविष्य के संदर्भ के लिए सुरक्षित निकालकर रख लें।

सरकार ने नेशनल हाईवे पर ओवरलोडेड वाहनों के शुल्क संबंधी नियमों में किया बदलाव, लागू किए नए नियम

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने नेशनल हाईवे पर ओवरलोडेड (अधिक वजन वाले) वाहनों के लिए शुल्क संबंधी नियमों में बदलाव करते हुए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इन नियमों को 'नेशनल हाईवे फीस (रेट निर्धारण और संग्रह) चौथा संशोधन नियम, 2026' के तहत लागू किया गया है।ये नए नियम 15 अप्रैल 2026 से लागू होंगे, और इनका

उद्देश्य ओवरलोडिंग पर नियंत्रण, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।नए नियमों के तहत अब ओवरलोडिंग के प्रतिशत के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। अगर कोई वाहन 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त वजन ले जा रहा है, तो उस पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। लेकिन अगर वाहन 10 प्रतिशत से ज्यादा और 40 प्रतिशत तक ओवरलोड है, तो उसे बेस रेट का दोगुना शुल्क देना होगा। वहीं, 40 प्रतिशत से ज्यादा ओवरलोड वाले वाहनों पर बेस रेट का चार गुना शुल्क लगाया जाएगा। नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ओवरलोडिंग की जांच टोल प्लाजा पर लगे प्रमाणित वजन मापने वाले उपकरणों से की जाएगी। अगर किसी टोल प्लाजा पर वजन मापने की सुविधा नहीं है, तो वहां ओवरलोड शुल्क नहीं लिया जाएगा।इसके अलावा, ओवरलोडिंग शुल्क केवल फास्टैग के जरिए ही वसूला जाएगा, और ऐसे वाहनों की जानकारी राष्ट्रीय वाहन रजिस्टर (वाहन) में दर्ज की जाएगी। जो वाहन बिना वैध फास्टैग के नेशनल हाईवे पर प्रवेश करेंगे, उनके खिलाफ मौजूदा नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, ये नए नियम उन कुछ निजी निवेश परियोजनाओं पर लागू नहीं होंगे, जो पहले से चल रही हैं, जब तक कि संबंधित कंपनी (कंसेशनायर) इन्हें अपनाने की सहमति न दे।सरकार ने शुल्क गणना को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण भी दिए हैं, ताकि अलग-अलग वाहनों के लिए ओवरलोड फीस कैसे तय होगी, यह समझना आसान हो सके।

आई-पैक के संस्थापक विनेश चंदेल को 10 दिन की हिरासत में भेजा, ईडी करेगी पूछताछ

नई दिल्ली (आरएनएस),। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत चल रही जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। विनेश चंदेल आई-पैक के संस्थापक, निदेशक और 33 फीसदी शेयरधारक हैं। कोर्ट ने बुधवार मध्य रात्रि को विनेश चंदेल को 10 दिन की हिरासत में भेज दिया है।

ईडी ने दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। अब तक की जांच में आई-पैक द्वारा वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के विभिन्न तरीकों के कई मामले सामने आए हैं। इसमें हिसाब-किताब वाले और बिना हिसाब-किताब वाले फंड की प्राप्ति, बिना किसी व्यावसायिक प्रमाण पत्र के असुरक्षित ऋण प्राप्त करना, फर्जी बिल और इनवॉइस जारी करना, तीसरे पक्ष से धन प्राप्त करना और अंतरराष्ट्रीय हवाला के माध्यम से नकदी का लेन-देन शामिल है।जांच में यह भी पता चला है कि आई-पैक करोड़ों रुपये के आपराधिक धन को मनी लॉन्ड्रिंग करने में शामिल थी। अब तक बरामद की गई राशि लगभग 50 करोड़ रुपये है।जांच के दौरान, लेन-देन से जुड़े विभिन्न व्यक्तियों के बयान दर्ज किए गए। तलाशी भी ली गई और आपत्तिजनक सामग्री एकत्र की गई। जांच के दायरे में आए अपराध में विनेश चंदेल की भूमिका सामने आई है। कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत, कंपनी के निदेशक उस स्थिति में उत्तरदायी होते हैं, जब अपराध उनकी सहमति, मिलीभगत या लापरवाही से किया गया हो।गिरफ्तारी के बाद विनेश चंदेल को पटियाला हाउस कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। सुनवाई सोमवार देर रात तक चली। इसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शेफाली बरनाला टंडन ने विनेश चंदेल को 10 दिन की हिरासत में भेज दिया। ईडी अब पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।वहीं, टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने विनेश चंदेल की गिरफ्तार पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आई-पैक के सह-संस्थापक विनेश चंदेल की पश्चिम बंगाल चुनाव से लगभग 10 दिन पहले गिरफ्तारी केवल चिंताजनक ही नहीं है बल्कि यह 'समान अवसर' की भावना को भी हिला देती है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आत्म-निरीक्षण का विषय

विदेश मंत्री एस. जयशंकर के लिए यह आत्म-निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मसलों में आज भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं बची है? फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्यों अलग-थलग नजर आया?

जब ये साफ हो गया कि प्रधानमंत्री भाग नहीं लेंगे, तो ईरान युद्ध पर बुलाई गई सर्वदलीय महज रस्म-अदायगी भर रह गई। ऐसी बैठकों की तभी अहमियत होती है, जब उनका मकसद उत्पन्न परिस्थिति पर पूरी पारदर्शिता बरतते हुए सभी पक्षों के बीच आम-सहमति बनाना होता है। ऐसा तभी हो सकता है, जब देश के शीर्ष नेता बैठक में उपस्थित रहें। और सिर्फ तभी किसी संकट काल में पूरा देश एक स्वर में बोल सकता है। बहरहाल, नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में ऐसी राष्ट्रीय एकजुटता दुर्लभ होती चली गई है। नतीजतन, सर्वदलीय बैठकें सियासी नैरेटिव को प्रचारित करने का एक और मौका बन जाती हैं।

यही हाल पश्चिम एशिया में युद्ध पर बुलाई गई बैठक का हुआ। विपक्ष ने उसे अपने इस कथानक को बल देने का अवसर बनाया कि मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलताओं ने भारतीय आवाम को गहरी मुसीबत में डाल दिया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत अप्रासंगिक होता जा रहा है। इसी सिलसिले में पाकिस्तान के मध्यस्थ बन कर उभरने की चर्चा हुई। तो उस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हैरतअंगेज टिप्पणी की।

उन्होने कहा कि भारत पाकिस्तान की तरह दलाली नहीं कर सकता! अमेरिका ने पाकिस्तान को क्यों मध्यस्थ बनाया और ये भूमिका स्वीकार कर पाकिस्तान ने क्या जोखिम मोल लिए हैं, ये दीगर सवाल हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को दलाली बताना अपनी विदेश नीति की घोर विफलता से पैदा हुए असंतोष का ही इज़हार समझा जाएगा। वरना, कोरिया युद्ध, कॉन्गो युद्ध, श्रीलंका के गृह युद्ध आदि में मध्यस्थता का भारत के बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। यहां तक कि यूक्रेन युद्ध में प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद और कूटनीतिक समाधान के संदेश दोनों पक्षों को दिए। अत: जयशंकर के लिए यह आत्म-निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि आज अंतरराष्ट्रीय मसलों में भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं है? बात यहीं तक नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह अलग-थलग नजर आया, वह हालिया तजुर्बा है। इन सवालों पर गौर करने के बजाय दलाल ना होने का झूठा फ़ख्र किसी काम का नहीं है। उससे भारतीय जनमत के सिर्फ एक हिस्से को ही बहलाया जा सकता है।

आखिरकार सुनी गई आधी आबादी की आवाज़

आर. विमला, आईएएस

नारी शक्ति वंदन अधिनियम और भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं का न्यायोचित स्थान

जब महिलाएँ सशक्त होती हैं, तो भारत मजबूत होता है। घर की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज़ तक, यह एक नए और आत्मविश्वास से भरे भारत की परिकल्पना है। — प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारत की महिलाएँ सदैव महान कार्यों में सक्षम रही हैं। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी ने बड़े-बड़े दार्शनिकों को निरुत्तर कर दिया था। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने जिस न्यायपूर्ण तरीके से अपने राज्य का शासन चलाया, उसकी बराबरी उनके समकालीन शासक नहीं कर सके। रानी लक्ष्मीबाई साहस की एक अमर मिसाल बन गईं। फिर भी, स्वतंत्र भारत—जो समानता के सिद्धांत पर आधारित एक संवैधानिक गणराज्य है ने इन महान महिलाओं की उत्तराधिकारियों को अपनी विधायिकाओं में शायद ही कोई जगह दी। पहली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मात्र 4.4 प्रतिशत थी। सात दशक बाद, 17वीं लोकसभा में भी यह आंकड़ा बढ़कर केवल 14.4 प्रतिशत तक ही पहुँच पाया। व्यक्तिगत प्रतिभा ने तो अपनी जगह बना ली थी, लेकिन व्यवस्थागत बदलाव अभी भी नहीं आया था। असल में, महिलाएं अपने ही लोकतंत्र में एक तरह से मेहमान बनकर ही रह गईं।

हमारे संविधान ने पहले ही दिन से यह स्वीकार किया था कि जब सदियों से ढांचागत विसंगतियां जड़ जमाए बैठी हों, तो केवल औपचारिक समानता पर्याप्त नहीं होती। संरक्षणात्मक भेदभाव के सिद्धांत के तहत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और बाद में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गईं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था सफल रही है- 24 मार्च 2026 तक, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 49.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। जिन जगहों पर महिलाएँ शासन करती हैं, वहाँ पानी की आपूर्ति सुचारू होती है, साफ़-सफ़ाई की स्थिति बेहतर होती है और लड़कियाँ स्कूल जाना जारी रखती हैं। इसके बावजूद, संसद में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के उद्देश्य से जो विधेयक पेश किए गए थे, वे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दशकों तक बार-बार निष्प्रभावी होते रहे।

वह क्षण जिसने सब कुछ बदल दिया –

वह अधूरी कड़ी 19 सितंबर 2023 को पूरी हुई। भारत के नए संसद भवन में आयोजित कामकाज के पहले ही सत्र में, नारी शक्ति वंदन

अधिनियम को संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के सर्वसम्मत समर्थन से पारित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधेयक पेश करते हुए दोनों सदनों को बताया: यह कानून केवल एक कानून नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय महिला की शक्ति, त्याग और सामर्थ्य के प्रति एक श्रद्धांजलि है।

यह अधिनियम लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप-कोटा भी शामिल है। नए संसद भवन का यह पहला अधिनियम होना अपने आप में एक घोषणा थी: अमृत काल के लोकतंत्र की संरचना पूरे भारत के लिए और सभी की भागीदारी के साथ निर्मित की जाएगी।

इस अधिनियम में बदलाव लाने की अपार क्षमता है, क्योंकि इसके लागू होने से संसद में महिला सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। महिला विधायक निरंतर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं—ये वही क्षेत्र हैं, जहाँ भारत में लैंगिक असमानता सबसे अधिक है। एक ऐसी संसद, जिसमें एक-तिहाई सदस्य महिलाएँ होंगी, वह अलग तरह के प्रश्न पूछेगी और अलग तरह के विचार सुनेगी। इससे भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में सुधार होगा, न कि केवल उसकी बाहरी छवि में।

गरिमा से लोकतंत्र तक की यात्रा

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा यह समझा है कि ज़मीनी स्तर पर सशक्तिकरण के बिना राजनीतिक सशक्तिकरण खोखला होता है। उनके द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अत्यंत बुनियादी गरिमा से लेकर सर्वोच्च लोकतांत्रिक भागीदारी तक एक सुविचारित पथ पर आगे बढ़ती है। इसकी शुरुआत एक शौचालय से हुई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए 10 करोड़ घरेलू शौचालयों ने उन महिलाओं को सुरक्षा और आत्म-सम्मान लौटाया, जिन्हें लंबे समय से इन दोनों से वंचित रखा गया था। जल जीवन मिशन ने 15 करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुँचाया। महिलाओं को मीलों पैदल चलकर पानी ढो कर लाने से मुक्ति मिली जिससे उनका सुबह का कीमती समय जाया हो जाता था।

'पीएम उज्ज्वला योजना' के 10.56 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों ने महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घर बनाए गए। 55 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले जन धन खातों ने उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की। मुद्रा योजना के ऋण, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, सखी, वन स्टॉप सेंटर और तीन तलाक का उन्मूलन- प्रत्येक योजना उसी सीढ़ी का अगला पायदान थी, जो उन्हें केवल गुज़ारा करने की स्थिति से गरिमा की ओर, गरिमा से सामर्थ्य की ओर, और सामर्थ्य से नेतृत्व की ओर निरंतर बढ़ाती गई।

आधुनिक भारत के लिए एक दृष्टिकोण

भारत को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तुरंत लागू करने की आवश्यकता है। यह हमारे दौर के सबसे अधिक परिवर्तनकारी संभावित सुधारों में से एक है। महिलाओं के विधायी प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर, यह हर स्तर पर नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ाएगा: चाहे वे बजट हों जो मातृ स्वास्थ्य के लिए धन उपलब्ध कराते हैं, वे कानून हों जो पीड़ितों की रक्षा करते हैं, या वे नीतियां हों जो लड़कियों को स्कूल में बनाए रखती हैं और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत (2047 तक एक विकसित भारत) का दृष्टिकोण इस दृढ़ विश्वास पर आधारित है कि कोई भी राष्ट्र अपनी पूरी क्षमता तक तब तक नहीं पहुँच सकता, जब तक उसके आधे नागरिक उन जगहों से बाहर रहें जहाँ सत्ता का संचालन होता है। जैसा कि उन्होंने हमेशा कहा है: भारत तभी एक विकसित राष्ट्र बनेगा जब इसकी महिलाएँ न केवल अपने घरों में, बल्कि अपनी संसद में भी पूरी तरह सशक्त होंगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय महिलाओं के लिए कुछ नया सृजन नहीं करता है। इसने उस विद्वत्ता, साहस और नेतृत्व करने की इच्छाशक्ति के लिए एक संस्थागत स्थान सुनिश्चित कर दिया है, जो महिलाओं में पहले से ही मौजूद है।

शौचालय की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज़ तक, यह मात्र एक विधायी यात्रा नहीं है। यह एक ऐसे राष्ट्र की कहानी है जिसने अंततः पूर्णता की ओर बढ़ने का निर्णय लिया है।

बैटल ऑफ बंगाल (पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव) में भाजपा और ममता की हर स्तर की लड़ाई

अजय दीक्षित

पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव, भारत के अन्य राज्यों के चुनावों की तरह नहीं बल्कि यह 1757 की प्लासी की लड़ाई की तरह है जब मुट्ठी भर क्लाइव की ब्रिटिश फौज ने तीन लाख की बंगाल के नबाब सिराजुद्दौला को हरा दिया था और मीर जाफर को बंगाल का नबाब बना दिया था। वर्तमान विधानसभा चुनाव,जो कई आयामों, स्तरों, उद्देश्यों,के लिए शाम दाम, दंड से लड़ी जा रही है। पूरा राज्य बंगाल मय समाचार पत्रों, दृश्य मीडिया के दो फाड़ हो गया है। एक भाग भाजपा के साथ है तो दूसरा तृणमूल कांग्रेस के साथ है।वाकी सीपीएम, कांग्रेस दूसरे दल, केवल औपचारिक भूमिका में है। जहां तृणमूल कांग्रेस ने एस आई आर का मुद्दा उठाया है वही भाजपा 15 साल की भ्रष्टाचार, हिंसा, घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बना रही है। 294 सदस्यीय विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होने है । लेकिन भारतीय जनता पार्टी को भी समझमे आ गया है कि यह चुनाव पूरे देश से भिन्न है।बस इतना समझ लो कि भाजपा की भवानीपुर की रैली में बैंड बजा रहे दल की भी उसी रात तृणमूल के लठैत से मार मार खूनी खेल खेला।यह एक बानगी है और यह उस पार्टी के खिलाफ हो रहा

है जो देश पर शासन कर रही है।

पोस्टर वाला, टांगें वाला, माइक वाला जो भाजपा के काम कर रहा है उसे तृणमूल कांग्रेस का कोप का भाजन बनाना पड़ेगा।बंगाल का विधानसभा चुनाव इतना बोझिल है कि सर्वेक्षक भी हड़प्रभ है क्योंकि कोई भी मतदाता खुल कर अंकित नहीं कर रहा है।टाइम्स ऑफ इंडिया के शीतल पाल सिंह कहते हैं कि असम, केरल, पांडिचेरी की तरह मतदाता पश्चिमी बंगाल में बोल नहीं रहा है क्योंकि उसे अज्ञात भय है। संदीप घोषाल वीरभूमि में कपड़ा व्यापारी है लेकिन चुनाव की बात करने ही तैयार नहीं बस यह कहते हैं कि दीदी ही आएगा ।

तुड़मूल सरकार ने लोगों को अपनी चाल में ढाल दिया है।

भारतीय जनता पार्टी इस लड़ाई में सुबेदु अधिकारी को आगे कर चुनाव मैदान में है।आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिलीगुड़ी सभा कर रहे हैं और उनकी सभा में इतनी भीड़ है जो बता रही है कि पश्चिमी बंगाल में ज्वाला भभक रही है। लेकिन लोग बोलना नहीं चाहते हैं।ममता बनर्जी ने एस आई आर को मुद्दा बनाया है और पूरे सूबे से 90 लाख मतदाता डिलीट कर दिया है।कोलकाता में 11 विधानसभा क्षेत्र है जबकि ग्रेटर कोलकाता से या कहे अंग्रेजी पुरानी स्टेट में 107 सीट है 2021 में यहां पर 90 सीट ममता बनर्जी की तुड़मूल ने जीती थी और भारतीय जनता पार्टी को मात्र 15 सीट मिली थी सीपीएम कांग्रेस एक एक सीट पर जीती थी। अबकी बार भाजपा इस क्षेत्र से कुछ अच्छा स्कोर कर ना चाहती है। मालदा वीरभूमि, मेदिनीपुर, बांकुरा, चौबीस परगना, सहित अनेक जगह पर तुड़मूल, भाजपा में गजब की टक्कर है।

आजादी के बाद पश्चिमी बंगाल में विधान चंद्र राय कांग्रेस के दिग्गज नेता थे उन्होंने आजादी के आंदोलन बहुत ही सराहनीय काम किया।1977 तक कांग्रेस ही बंगाल की सत्ता में थी सिद्धार्थ शंकर राय मुख्यमंत्री रहे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में सीपीएम यानी लेफ्ट पार्टियों का समावेश हुआ और वे विधानसभा चुनाव में बहुमत लाने में सफल हुए। ज्योति बसु 27 वर्ष यानि 2000 तक मुख्यमंत्री रहे उनके बाद सीपीएम की विरासत बुद्धदेव भट्टाचार्य के हाथों में आई 2011 तक 10 वर्ष वह मुख्यमंत्री रहे।2011 तुड़मूल कांग्रेस ममता बनर्जी के नेतृत्व में सत्ता में बैठी है।

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

– दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने कामों को बहुत सावधानी और कुशलता से करेंगे। संतान की ओर से चिंता दूर होगी। आज की गई मेहनत का निकट भविष्य में बेहतरीन परिणाम मिलने वाले हैं। आपका काम समय से पूरा ना होने के कारण आपको थोड़ी समस्या होगी।

वृष राशि: आज आपका दिन खास रहेगा। सोचे हुए सभी काम पूरे हो जायेंगे। बिजनेस में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। विवाहितों के लिए भी आज का दिन बढ़िया है। कार्यक्षेत्र में आप स्वयं को उर्जावान महसूस करेंगे। शिक्षा से जुड़ी आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। किसी तरह की नई प्लानिंग को लेकर आप बड़ा फैसला कर सकते हैं। संतान की ओर से भी आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। दफ्तर में उलझा हुआ मामला सुलझ सकता है। ऑफिस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आपको बिजनेस संबंधी नये लोगों से जुड़ने का मौका मिल सकता है राजनीतिक कामों में हाथ आजमा रहे लोगों को आज किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है।

कर्क राशि: आज किसी काम के लिए आपके मन में नया विचार आएगा। ऑफिस में कार्यभार अधिक होने के कारण आज आप व्यस्त रहेंगे। संतान की नौकरी से संबंधित किसी समस्या को लेकर आप भागदौड़ में लगे रहेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको गिले-शिकवे दूर करने का मौका मिलेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। वित्तीय मामलों में समझदारी से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद हो सकती है। बिजनेस में नई परियोजनाओं को लागू करने से आपको फायदा हो सकता है। ऑफिस में किसी ऑफिस के काम को जल्दबाजी में करने से आपको बचना चाहिए और सहकर्मी के साथ बहस करने से आपको बचना चाहिए।

कन्या राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कामकाज के मामले में परिस्थिति अच्छी रहेगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं, इससे आपके रिश्तों की मजबूती बरकरार रहेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। माता-पिता आपकी मेहनत से खुश रहेंगे आप पर गर्व महसूस करेंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। किस से भी बात करते समय अपना स्वभाव विनम्र रखेंगे , इससे लोग आपसे प्रभावित होंगे। इस राशि के बिल्डर्स को किसी नये प्रोजेक्ट से लाभ हो सकता है।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। कठोर परिश्रम से अवश्य ही आप परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने में कामयाब होंगे सकते हैं। किसी जरुरी काम में आपको सफलता मिल सकती है। आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए जो भी काम करना चाहते है उसमें आपको लाभ की प्राप्ति हो होगी। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपका बढ़ा हुआ मनोबल आपको किसी जरूरी काम में सफलता दिलायेगा। माता-पिता के सहयोग से कारोबार के क्षेत्र में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आप अपने से ज्यादा औरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे तो आपको समस्या होगी लेकिन आप समय रहते इस को संभाल लेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बात शेयर करने से बचना चाहिए। यदि आज आप कुछ सामाजिक मामलों में हाथ बढ़ाएंगे, तो आपका मान-सम्मान और रुतबा बढ़ेगा। इस राशि के छात्रों को बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। पढ़ाई के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। बच्चों द्वारा शुभ समाचार मिलने से घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा।

कुंभ राशि: आज का आपके लिए दिन फेवरेबल रहेगा। साथ ही कारोबार में आपको अच्छा धन लाभ होगा। आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपको काफी फायदा दिलायेगा। आपकी क्रिएटिविटी से लोग प्रभावित होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बेहतर होगी।

मीन राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। आज आप माता की पसंद की चीज गिफ्ट करेंगे आपके माता जी को भी खुशी होगी। आपको किसी संपत्ति की खरीदारी करते समय उसके जरूरी कागजातों पर ध्यान अवश्य देना होगा। परिवार में किसी विशेष कार्य को लेकर आपसी वार्तालाप होगा।

रंग, राग और रचना: जीवन में कला का उत्सव

सुनील कुमार महला /

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है। विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दु:ख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में

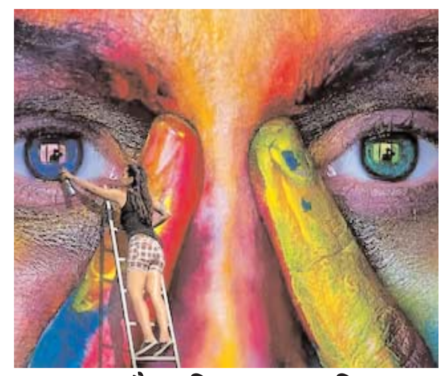

(15 अप्रैल विश्व कला दिवस पर विशेष आलेख)

पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है।इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें। आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआइ व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है।

नोएडा में श्रमिकों का उग्र प्रदर्शनः सेक्टर 121 गढ़ी चौखंडी में पुलिस पर पथराव, अब तक 300 से अधिक गिरफ्तार

नोएडा,(आरएनएस)। नोएडा में फैक्ट्री कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को दूसरे दिन भी उग्र रूप लेता नजर आया। सेक्टर-121 स्थित गढ़ी चौखंडी इलाके में प्रदर्शनकारियों ने एक बार फिर पुलिस पर पथराव किया, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। हालात को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। जानकारी के अनुसार, सुबह के समय कुछ फैक्ट्री कर्मचारी विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने उन्हें समझाने और रास्ता खाली कराने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान स्थिति बिगड़ गई और दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने 2-3 स्थानों पर पुलिस वाहनों को निशाना बनाते हुए पथराव किया। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति पर काबू पा लिया और उपद्रवियों को मौके से खदेड़ दिया। प्रशासन पहले से ही सतर्क था। औद्योगिक क्षेत्रों में सुबह 5 बजे से ही पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके साथ ही पूरे इलाके में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

सुरक्षा कारणों से आज अधिकांश औद्योगिक इकाइयां और कंपनियां बंद रखी गई हैं। इस बीच, प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि हिंसा, आगजनी और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दवाइयों की खोज को आगे बढ़ाने में एआई निभाएगा बड़ी भूमिका, एक्सपर्ट्स का दावा

नई दिल्ली(आरएनएस)। दवाइयों की खोज को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बड़ी भूमिका निभाएगा। इससे सटीक उपयोग वाली दवाई हालिस करने और इनोवेशन के नेतृत्व वाले हेल्थकेयर इकोसिस्टम को बनाने में मदद मिलेगी। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से दी गई। फार्मा सेक्टर्स के लीडर्स ने मौजूदा प्रणालियों के मात्र डिजिटलीकरण के बजाय प्रक्रियाओं को नए सिरे से परिभाषित करने पर जोर दिया। उन्होंने एआई को व्यापक रूप से अपनाने के लिए मजबूत डेटा और टेक्नोलॉजी आधार की बढ़ते महत्व के बारे में बताया।

नौवें 'इंडिया फार्मा 2026' के पहले दिन चार महत्वपूर्ण पूर्ण सत्र हुए, जिनमें नीति निर्माता, उद्योग जगत के लीडर्स, नियामक और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स भारत के फार्मास्युटिकल और लाइफ साइंस इकोसिस्टम के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक साथ एक मंच पर आए। उद्घाटन सत्र में नीतिगत उद्देश्यों और जमीनी क्रियान्वयन के बीच की खाई को पाटने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

औषधीय विभाग के सचिव मनोज जोशी ने अनुसंधान एवं विकास के लिए उद्योग-नेतृत्व वाले मॉडल, सरकारी प्रयोगशाला नेटवर्क को मजबूत करने के महत्व और नियामक मॉडल को यूरोपीय प्रणालियों के अनुरूप बनाने पर बल दिया। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव राजीव बहल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अनुसंधान निधि में कई गुना वृद्धि हुई है, फिर भी देश को भारत-आधारित अनुसंधान एवं विकास मॉडल की आवश्यकता है, जिसमें इनोवेटर्स में बाजार का विश्वास हो और उद्योग एवं शिक्षा जगत के बीच विश्वास बढ़े।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, उद्योग जगत के नेताओं ने अनुसंधान-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए उद्यम पूंजी की भागीदारी और सह-वित्तपोषण तंत्रों को बढ़ाने, उद्योग-शिक्षा जगत के मजबूत एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया और प्रारंभिक चरण की खोजों को वैश्विक समाधानों में बदलने के लिए एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व को रेखांकित किया। दूसरे सत्र में एक पूर्वानुमानित, कुशल और वैश्विक स्तर पर संरेखित नियामक ढांचा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत के औषधि नियंत्रक जनरल डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने उत्तरदायी नियामक प्रणालियों को आकार देने में हितधारकों के परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला। तीसरे पूर्ण सत्र में फार्मास्युटिकल मूल्य श्रृंखला में एआई की परिवर्तनकारी क्षमता का पता लगाया गया।

चौथे सत्र में वैश्विक अनुबंध अनुसंधान, विकास और विनिर्माण संगठन (सीआरडीएमओ) परिदृश्य में भारत की बढ़ती भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। पैनल ने बताया कि भारत का सीआरडीएमओ उद्योग, जिसका वर्तमान मूल्य लगभग 8 अरब डॉलर है, 10-12 प्रतिशत की मजबूत गति से बढ़ रहा है, जो मजबूत वैश्विक आउटसोर्सिंग मांग को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी का सहारनपुर में रोड शो, सड़क किनारे हाथों में तिरंगा थामे लोगों ने किया स्वागत

सहारनपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर का उद्घाटन करने से पहले उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में एक रोड शो किया। पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क के किनारे भारी भीड़ थी। रोड शो में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा थामे हुए मोदी-मोदी, भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे लगाते हुए पीएम मोदी पर फूलों की वर्षा की। कई लोग पारंपरिक वेशभूषा में आए थे और उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वागत में पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत किए। पीएम मोदी ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया। पीएम मोदी सहारनपुर में दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर के ऊंचे खंड पर बने वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की समीक्षा करेंगे। इसके बाद देहरादून के लिए रवाना होंगे।

प्रधानमंत्री देहरादून के पास स्थित जय मां डाट काली मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 12:30 बजे देहरादून में एक सार्वजनिक समारोह में दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

213 किलोमीटर लंबा, छह लेन वाला और एक्सेस कंट्रोल्ड दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरता है। वहीं, इससे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय वर्तमान में छह घंटे से अधिक से घटकर लगभग ढाई घंटे हो जाएगा।

इस परियोजना के कार्यान्वयन में निर्बाध उच्च गति कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 10 इंटरचेंज, तीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), चार प्रमुख पुल और सड़क किनारे 12 जन सुविधाओं का निर्माण भी शामिल है। यात्रियों के लिए सुरक्षित और अधिक कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए यह कॉरिडोर उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएम) से सुसज्जित है।

क्षेत्र की पारिस्थितिक संवेदनशीलता, समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों को ध्यान में रखते हुए इस कॉरिडोर को कई विशेषताओं के साथ डिजाइन किया गया है, जिनका उद्देश्य मानव-वन्यजीव संघर्ष में अत्यधिक कमी लाना है। जंगली जानवरों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, परियोजना में वन्यजीव संरक्षण के लिए कई विशेष सुविधाएं शामिल की गई हैं। इनमें 12 किलोमीटर लंबा वन्यजीव एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल है, जो एशिया के सबसे लंबे कॉरिडोर में से एक है। कॉरिडोर में आठ पशु मार्ग, 200 मीटर लंबे दो हाथी अंडरपास और दात काली मंदिर के पास 370 मीटर लंबी सुरंग भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के देहरादून में जय मां डाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना की.

ईडी ने कोयला घोटाले मामले में आई-पैक के डायरेक्टर चंदेल को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,(ए)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से 10 दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आई-पैक के डायरेक्टर और को-फाउंडर विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार को दिल्ली में पकड़ा। ईडी की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना हैं। राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक सीएम ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के लिए चुनावी रणनीति बनाती है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर कहा कि चुनाव से 10 दिन पहले हुई यह कार्रवाई निष्पक्ष चुनाव पर सवाल उठाती है। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग और ईडी, एनआईए, सीबीआई जैसी एजेंसियों की चुनाव जैसे संवेदनशील समय पर कार्रवाई से डर का माहौल बनता है, निष्पक्षता का नहीं। बनर्जी ने कहा कि अमित शाह और बीजेपी, ज्ञानेश कुमार और अपनी हर एजेंसी के साथ 4-5 मई को बंगाल आएं। बंगाल न डरेगा, न चुप रहेगा और न झुकेगा। यहां दबाव का जवाब विरोध से दिया जाता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी ने दिल्ली में विनेश चंदेल के ठिकानों के अलावा बेंगलुरु में आई-पैक के दूसरे को-फाउंडर और डायरेक्टर ऋषि राज सिंह, मुंबई में आम आदमी पार्टी के पूर्व कम्युनिकेशन इंचार्ज विजय नायर के ठिकानों पर भी छापे मारे।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार 48 साल बाद खुले भीतरी कक्ष में गिनती जारी

पुजारियों ने सदियों पुराने खजाने और रहस्यमयी घटनाओं का किया जिक्र

पुरी,(ए)। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर में स्थित रत्न भंडार को लेकर एक बार फिर रहस्य और जिज्ञासा का माहौल बन गया है। लगभग 48 वर्षों बाद मंदिर के भीतरी रत्न भंडार कक्ष को खोला गया है, जहां रखे बहुमूल्य आभूषणों और खजाने की गिनती का कार्य जारी है।

मंदिर से जुड़े पुजारियों और उनके वंशजों का दावा है कि इस रत्न भंडार में सोने, चांदी और हीरे-जवाहरात का विशाल भंडार मौजूद है। साथ ही मंदिर परिसर में कई खुफिया चैम्बर और एक गुप्त सुरंग होने की भी चर्चा लंबे समय से होती रही है। बताया जाता है कि वर्ष 2018 में एक बंद पड़े गुप्त तहखाने तक पहुंचने की कोशिश की गई थी, लेकिन उस समय उसका दरवाजा खोलने के लिए चाबी नहीं मिल सकी। बाद में जुलाई 2024 में उस कक्ष को खोला गया, हालांकि अंदर मौजूद वस्तुओं को लेकर अब भी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंदिर के पुजारी बताते हैं, कि प्राचीन काल में विभिन्न राजाओं द्वारा जीते गए धन और आभूषण इसी रत्न भंडार में सुरक्षित रखे जाते थे। इनमें सोने-चांदी के मुकुट, सिंहासन और बहुमूल्य रत्न शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ कहा जाता है, इतिहास में उल्लेख मिलता है कि मंदिर को कई बार लूटने के प्रयास हुए, लेकिन हर बार प्रतिहारियों ने भगवान की मूर्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

इन्हीं दंत कथाओं के आधार पर मंदिर के भीतर एक गुप्त सुरंग होने की बात कही जाती है, जहां संकट के समय मूर्तियों को छिपाया जाता था। एक और रहस्यमयी दावा मंदिर के पुजारियों द्वारा किया गया है। वे बताते हैं कि जब मंदिर में मूर्तियों के परिवर्तन की परंपरा निभाई जाती है, उस दौरान रत्न भंडार के आसपास से अजीब-अजीब आवाजें सुनाई देती हैं। कुछ लोगों का दावा है कि वहां सांपों के फुफकारने जैसी ध्वनियां भी सुनाई देती हैं। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मंदिर से जुड़ी ये रहस्यमयी कहानियां आज भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

अखिलेश ने सीएम योगी पर साधा निशाना, नोएडा में हुए बवाल पर बोले- यह सरकार की नाकामी

लखनऊ ,(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने नोएडा में मजदूरों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाए कि नोएडा की घटना को लेकर मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) और भाजपा सरकार जिम्मेदार है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को भीमराव अंबेडकर की जयंती पर लखनऊ में हजरतगंज चौराहा पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी दौरान नोएडा में हुए हिंसक प्रदर्शन पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, जो नोएडा में हुआ है, यह सरकार की नाकामी के कारण हुआ है। सरकार को मामले की जानकारी थी, फिर भी ऐसी घटना होने दी। अगर अधिकारी कह रहे कि साजिश हुई है तो इसके लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। सपा प्रमुख ने आगे कहा, मुख्यमंत्री से ज्यादा झूठ बोलने वाला कोई संत अभी तक नहीं हुआ है। हम नहीं कहते हैं, बल्कि बहुत सारे लोग कहते हैं कि वे नकली संत हैं। इन्हें संविधान से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि

संविधान से चलने वाले कभी किसी के साथ अन्याय नहीं कर सकते हैं।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा की 10 साल की सरकार में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की बड़ी संख्या में प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाया गया है। आज वही लोग जो ऐसे कृत्यों में शामिल थे, चुनावों से पहले एक गुमराह करने वाला संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा की साजिश और षड्यंत्रों से सावधान है और वह समझदार भी है।

अखिलेश यादव ने कहा, हम सामाजिक न्याय के लिए और सामाजिक न्याय की व्यवस्था स्थापित करने के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। यह संघर्ष वर्षों तक, और अगर जरूरत पड़ी तो सदियों तक जारी रहेगा। हमने सुना था और भारतीय जनता पार्टी के कुछ लोगों ने कहा था कि यदि वे 400 सीटें जीतते हैं, तो वे संविधान बदल देंगे। हम उत्तर प्रदेश और देश की जनता को धन्यवाद देना चाहते हैं, जिसने अपने मताधिकार से संविधान व लोकतंत्र को बचाने का काम किया।

उन्होंने यह भी कहा कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का संविधान सिर्फ कागज नहीं है, बल्कि लोहे की तलवार है, जो समय-समय पर सम्मान दिलाने का काम करती है। संविधान हमारे लिए एक ढाल और संजीवनी है। यह हमें न्याय दिलाता है और आगे बढ़ने व बराबरी का अवसर देता है। संविधान को बचाने के लिए लगातार लड़ते रहेंगे और बाबासाहेब के सिद्धातों को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार में एआई का इस्तेमाल, डिजिटल अवतार में वोट मांग रहे विजय

-चुनाव आयोग ने चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दी इजाजत

नई दिल्ली,(ए.)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों शोरों से जारी है। इस बीच चुनाव प्रचार में एक उम्मीदवार ने एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। दरअसल कुंभकोणम में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक उम्मीदवार ने होलोग्राफिक एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, चुनावी रैलियों में पार्टी अध्यक्ष विजय की असली जैसी बड़ी और जीवंत छवि दिखाई, जिससे कई कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी की भरपाई हो जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, और विजय कई चुनावी कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवार मतदाताओं का जुड़ाव बनाए रखने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच टीवीके के तंजावुर पूर्वी जिले के सचिव और कुंभकोणम से चुनाव लड़ रहे 32 साल के विनोद रवि ने इस एआई टेक्नोलॉजी हैक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम उन्होंने कामा टेक्नोलॉजीज से लिया है, जिसका रोजाना का किराया 50,000 रुपए है। रवि ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुझे चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इससे मुझे बहुत ज्यादा जोश और आत्मविश्वास महसूस होता है, मानो हमारे थलापति मेरे ठीक बगल में खड़े होकर सीधे लोगों से बात कर रहे हों।

जयपुर डिज़ाइन वीक 2026 का JKLU में सफल समापन, नवाचार, विरासत और नए डिज़ाइन टैलेंट का जश्न

जयपुर,(आरएनएस)। जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी (जेकेएलयू) में आयोजित जयपुर डिज़ाइन वीक 2026 का सफल समापन हो गया। यह कार्यक्रम 4 अप्रैल से 11 अप्रैल तक राजस्थान के जयपुर में मेक इट मैक्स थीम के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान यूनिवर्सिटी का कैंपस एक ऐसा मंच बन गया, जहां छात्र, शिक्षक और विशेषज्ञ डिजाइन के नए विचारों पर चर्चा, प्रयोग और सहयोग करते नजर आए।

कार्यक्रम के पहले दिन की शुरुआत मल्टी-अवार्ड विनिंग एनीमेशन फिल्म डायरेक्टर सुरेश एरियाट के कीनोट और वर्कशॉप से हुई। इसके बाद कलाकार अभिजीत पॉल और माइक्रोसॉफ्ट की सीनियर यू एक्स डिजाइनर बिंदिया मुतुम के साथ क्रिएटिव सेशन्स हुए। डिजाइनर चंद्रशेखर भेड़ा ने भेड़ा फाय नाम से डिजाइन पर एक स्टैंड-अप

कॉमेडी भी पेश की। स्वागत भाषण देते हुए जेकेएलयू के वाइस चांसलर डॉ. विजयशेखर चेल्लाबोइना ने कहा, जयपुर डिज़ाइन वीक 2026 ने एक बार फिर दिखाया है कि डिजाइन शिक्षा सिर्फ क्लासरूम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अनुभव है जो मिलकर सीखने और जिम्मेदार भविष्य के क्रिएटर्स तैयार करने में मदद करता है। थॉटस्पॉट सीरीज़ में पेप्सिको इंडिया की तनु सिन्हा, डिजाइनर पॉल संदीप, सुहासिनी पॉल और गजेश मितकारी जैसे विशेषज्ञ शामिल हुए। इस दौरान अशोक चटर्जी द्वारा लिखी गई 'जवाजा' पर आधारित किताब का लॉन्च भी किया गया, जिसमें डिजाइन, संस्कृति, कहानी कहने और समाज पर उसके प्रभाव पर चर्चा हुई।ओपन स्टूडियोज़ में पद्मश्री कठपुतली कलाकार दादी पुदुमजी सहित कई विशेषज्ञों ने छात्रों को सिखाया। इसके अलावा मार्गी सास्त्री, राधिका गुप्ता, काव्या अग्रवाल और जिष्णु रॉय जैसे एक्सपर्ट्स ने भी सेशन्स लिए। आयुष कसलीवाल, सुदेबी ठाकुराता और सुमित बरुआह ने डिजाइन के अलग-अलग पहलुओं पर 3 घंटे की वर्कशॉप्स कराईं।

इस साल उभरते डिज़ाइन टैलेंट को सम्मानित करते हुए मुबासिराह खालिद खत्री को इमर्जिंग डिज़ाइनर ऑफ द ईयर अवॉर्ड दिया गया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन और पार्टी नेता के. अन्नामलाई के साथ चेन्नई में आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया।

रोमांटिक सीन में वो सारी हदें पार कर गया, मोनालिसा ने अपने को-एक्टर को लेकर किया था हैरान करने वाला खुलासा

भोजपुरी इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा अब टीवी और वेब सीरीज में नजर आ रही हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग से करियर में काफी तरक्की की है. हालांकि, मोनालिसा को अपनी एक्टिंग की जर्नी में काफी स्ट्रगल भी करना पड़ा है. यहां तक कि उन्हें बी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा है. वहीं, मोनालिसा ने बताया था कि करियर के शुरुआती दिनों में फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके साथ सेट पर जबरदस्ती करने की कोशिश की गई. आइए जानते हैं कि ये किस्सा क्या है.

मोनालिसा ने बताया था कि उन्हें अपने करियर के शुरुआती दिनों काफी डरावनी स्थिति को फेस करना पड़ा था. मोनालिसा ने एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके को-एक्टर की हरकत ने उन्हें सदमा दे दिया था.

मोनालिसा ने बताया कि फिल्म में एक रोमांटिक सीन की शूटिंग को दौरान उनको को-एक्टर ने अपनी लिमिट क्रॉस कर दी थी. यहां तक कि डायरेक्टर के कट बोलने के बाद नहीं रुका और स्थिति काफी ज्यादा बिगड़ गई.मोनालिसा ने आगे बताया कि जब डायरेक्टर ने कट बोला तब उनका को-एक्टर नहीं रुका. इस पर दोनों के बीच बहस हो गई. उनके साथ शूटिंग में जबरदस्ती और डायरेक्टर और एक्टर के बीच हुई ने सेट पर माहौल खराब कर दिया.मोनालिसा ने इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अपने करियर में काफी स्ट्रगल किया है. वह बोलीं जब करियर शुरू किया था तब आर्थिक तंगी थी और इस वजह से बी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा था मोनालिसा ने बताया कि उनके पास और कोई रास्ता नहीं था. एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में बने रहने के लिए उन्होंने बी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा. हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें पहचान मिली.मोनालिसा अब एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की कई पॉपुलर सेलिब्रिटीज हैं. मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपने ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती हैं.मोनालिसा की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत के साथ शादी की थी. इस कपल ने साल 2017 में सात फेरे लिए थे. दोनों के अभी बच्चे नहीं हैं।

कारा में पुलिस ऑफिसर का रोल अदा करेंगे सूरज वेंजारामूडु, धनुष की फिल्म को लेकर बढ़ी उत्सुकता

साउथ सिनेमा अपनी दमदार कहानियों और अलग तरह के किरदारों के लिए जाना जाता है। ऐसे में जब किसी बड़ी फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आती है, तो फैंस की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। इसी बीच अभिनेता धनुष की आने वाली फिल्म कारा जबरदस्त चर्चा में है। फिल्म के मेकर्स लगातार एक-एक करके किरदारों का खुलासा कर रहे हैं।

बुधवार को फिल्म के मेकर्स ने बताया कि मलयालम अभिनेता सूरज वेंजारामूडु इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नज़र आएंगे। उनके किरदार का नाम भारतन है। फिल्म का निर्माण कर रही वेल्स फिल्म इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस किरदार का खुलासा किया। उन्होंने सूजर के किरदार का फर्स्ट लुक भी जारी किया।इस लुक में वह एक सख्त पुलिस इंस्पेक्टर के अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, भारतन ड्यूटी पर हैं, और फिल्म से जुड़े और भी अपडेट आने वाले हैं। इससे पहले भी मेकर्स फिल्म के दूसरे किरदारों को लेकर जानकारी साझा कर चुके हैं। फिल्म की मुख्य अभिनेत्री ममिता बैजू को सेल्ली नाम के किरदार में देखा जाएगा।

वहीं जाने-माने निर्देशक और अभिनेता के. एस. रविकुमार फिल्म में कंधासामी की भूमिका निभा रहे हैं। इन

किरदारों के नाम सामने आने के बाद से ही फिल्म की कहानी को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फिल्म की शूटिंग जारी है। कुछ समय पहले सेट से एक तस्वीर साझा की गई थी, जिसमें धनुष एक फोन बूथ से बात करते हुए नजर आए थे।

फिल्म में धनुष और ममिता के अलावा इसमें जयराम, करुणास और पृथ्वी पंडिराज जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन विग्नेश राजा कर रहे है। साथ ही उन्होंने अल्फ्रेड प्रकाश के साथ मिलकर फिल्म की कहानी भी लिखी है। दोनों ने पहले फिल्म पोर थोझिल में काम किया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिली थी।

भूत बंगला पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, मिला यू/ए सर्टिफिकेट; फिल्म से कटा इतने मिनट का सीन

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला को सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है। इसका मतलब है कि अब 16 साल से कम उम्र के बच्चे अपने माता-पिता के साथ यह फिल्म देख सकते हैं। इसके साथ ही फिल्म को सर्टिफिकेट मिलने से पहले सेंसर बोर्ड ने कई बदलाव करने को कहा, जिन्हें निर्माताओं ने मान लिया है।रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने के बाद भी निर्माताओं ने कुछ सीन हटाने को कहा है। उन्होंने कुल 63 सींस हटाए। सबसे बड़ा कट 'ओ सुंदरी' गाने के एक सीन का था, जो पूरे 1 मिनट 12 सेकंड का था।'ओ रे ओ सांवरिया' गाने से भी 27 सेकंड काटे गए। इन सब कट्स के बाद फिल्म की लंबाई 10 मिनट 5 सेकंड कम हो गई। अब फिल्म की फाइनल लंबाई है 2 घंटे 44 मिनट 52 सेकंड है।

'फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है...' पूजा हेगड़े ने 'जन नायकन' पायरेसी पर जताया दुख

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। पूजा ने कहा कि फिल्म को अपने सामने लीक होते देखना बहुत बुरा है। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। पूजा हेगड़े ने बयान जारी करते हुए कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क और पूरी टीम की निजी कुर्बानियों और मेहनत का नतीजा होती है। हमारी फिल्म को ऑनलाइन लीक होते देखना बहुत दुखद है। इसे लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। इससे सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत छीन ली जाती है। हम सभी इस बात के हकदार हैं कि विजय की आखिरी फिल्म को बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे।वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी बयान जारी किया। प्रोड्यूसर्स ने कहा कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर-कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, शेयर करना या स्टोर करना अपराध है और कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है।प्रोडक्शन हाउस ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। हर अपराधी के खिलाफ बिना किसी अपवाद के सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रोडक्शन हाउस ने आम जनता को सलाह दी कि लीक हुए कंटेंट को न खोलें, न स्टोर करें और न ही आगे शेयर करें। अगर किसी को ऐसे कंटेंट मिले तो उसे तुरंत डिलीट कर दें।

धुरंधर 2 का कारोबार 1,700 करोड़ रुपये पार; 3,000 करोड़ रुपये कमाने वाली पहली भारतीय फ्रैंचाइजी

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2ः द रिवेंज 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। चौथे हफ्ते में घरेलू कमाई भले ऊपर-नीचे देखने को मिली हो, लेकिन वीकेंड पर इसने रफ्तार को बनाए रखा। फिल्म ताबड़तोड़ कमाई करते हुए 1,100 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री लेने के लिए तैयार है। वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 25 दिनों के अंदर कुल 1,712.98 करोड़ रुपये का कारोबार कर दिखाया है। आइए जानते हैं ताजा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन। सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर 2 ने रिलीज के 25वें दिन, यानी रविवार को 14.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वहीं 24वें दिन, यानी शनिवार को फिल्म ने 13.50 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार को बनाए रखते हुए फिल्म ने कुल 1,083.67 करोड़ रुपये की कमाई की है। जल्द ही यह भारत में 1,100 करोड़ रुपये के क्लब में दस्तक देने वाली बॉलीवुड फिल्म बन जाएगी।

धुरंधर 2 पिछले साल 5 दिसंबर को रिलीज हुई धुरंधर का सीक्वल है।रिपोर्ट के मुताबिक, यह भारत की पहली ऐसी फ्रैंचाइजी बन गई है जिसने 3,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। पहली किस्त ने वैश्विक स्तर पर 1,307.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं सीक्वल ने विश्वस्तर पर 1,700 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जिसके बाद 2 भागों वाली इस फ्रैंचाइजी ने विश्वस्तर पर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए हैं।

चेहरे पर सीरम लगाते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

सीरम एक ऐसा त्वचा की देखभाल वाला उत्पाद है, जो चेहरे को कई तरह के लाभ दे सकता है। हालांकि, लाभ पाने के लिए इसे सही तरीके से लगाना जरूरी है। दरअसल, सीरम को लगाने के दौरान कुछ छोटी-छोटी गलतियां अनजाने में हो जाती हैं, जो आपकी त्वचा को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो सीरम लगाते समय नहीं करनी चाहिए।

ज्यादा सीरम लगाना

सीरम की अपनी एक मात्रा होती है, जिसे इस्तेमाल करना जरूरी है। अगर आप ज्यादा सीरम का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा अधिक चिकनी हो सकती है। इससे मुंहासे और अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए सीरम का इस्तेमाल हमेशा सीमित मात्रा में करना चाहिए। एक या दो बूंदें ही काफी होती हैं। इससे आपकी त्वचा को सही मात्रा में नमी और पोषण मिलेगा, बिना किसी अतिरिक्त चिपचिपाहट के।

गीली त्वचा पर लगाना

गीली त्वचा पर सीरम लगाना सही नहीं माना जाता क्योंकि इससे सीरम ठीक से असर नहीं कर पाता। सीरम को हमेशा साफ और सूखी त्वचा पर लगाना चाहिए ताकि यह अच्छे से असर दिखा सके। गीली त्वचा पर लगाने से सीरम का असर कम हो सकता है और आपकी त्वचा को उतना लाभ नहीं मिल पाता, जितना कि सूखी और साफ त्वचा पर लगाने से मिलता है।

सीधे धूप में रहना

अगर आप धूप में रहते हुए सीधे चेहरे पर सीरम लगाते हैं तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। सूरज की किरणें सीरम के तत्वों को खराब कर सकती हैं और आपकी त्वचा को भी प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए हमेशा

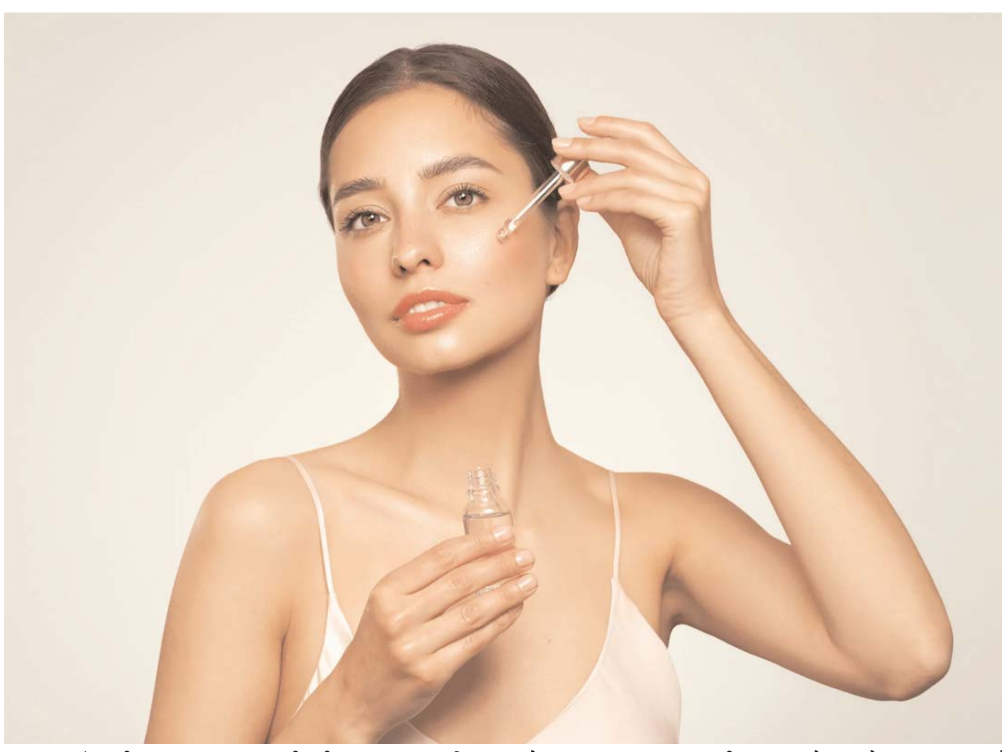

छाया या अंदरूनी जगह पर रहकर ही सीरम लगाना चाहिए ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको सीरम का पूरा फायदा मिल सके।

अन्य त्वचा देखभाल उत्पादों के साथ मिलाना

सीरम को कभी भी अन्य त्वचा देखभाल उत्पादों जैसे क्रीम या लोशन के साथ मिलाना नहीं चाहिए। इससे सीरम के पोषक तत्व कमजोर हो सकते हैं और उसका असर कम हो सकता है। सीरम को हमेशा अलग-अलग चरणों में इस्तेमाल करना चाहिए ताकि हर उत्पाद का अपना असर बना रहे। इस तरह आप अपनी त्वचा को सबसे अच्छा लाभ दे सकते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

हाथों को धोना न भूलें

सीरम लगाने से पहले अपने हाथों को अच्छे से धोना बहुत जरूरी है। गंदे हाथों से चेहरे पर सीरम लगाने से बैक्टीरिया फैल सकते हैं, जिससे त्वचा समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए हाथों को साबुन-पानी से धोकर ही चेहरे पर सीरम लगाएं। इस तरह आप अपनी त्वचा को साफ-सुथरी बनाए रख सकते हैं और किसी भी तरह की समस्या से बच सकते हैं। साफ हाथों से ही त्वचा को स्वस्थ रखा जा सकता है।

क्या शाम के समय एक्सरसाइज करने से नींद पर पड़ता है असर? जानिए सच्चाई

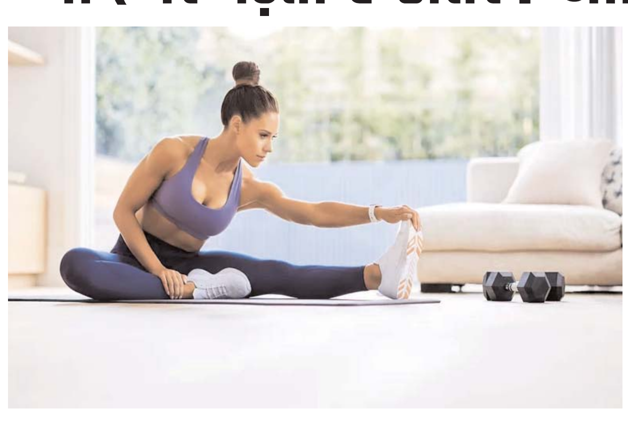

कई लोग मानते हैं कि शाम के समय एक्सरसाइज करने से नींद पर बुरा असर पड़ता है। उनका कहना है कि इससे शरीर का तापमान बढ़ जाता है और नींद में खलल पड़ता है। हालांकि, क्या यह सच में सही है या नहीं, इस पर वैज्ञानिक नजरिये से विचार करना जरूरी है। इस लेख में हम इसी भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में शाम को एक्सरसाइज करने से नींद पर कोई असर पड़ता है या नहीं।

शाम को एक्सरसाइज करने का तापमान पर असर

शाम को एक्सरसाइज करने से शरीर का तापमान बढ़ सकता है, लेकिन यह गलतफहमी है कि इससे नींद पर बुरा असर पड़ता है। हमारा शरीर खुद ही तापमान को नियंत्रित कर लेता है। अगर आप नियमित रूप से शाम को एक्सरसाइज करते हैं तो आपका शरीर इससे अभ्यस्त हो जाता है और आपको कोई परेशानी नहीं होती। इसके अलावा हल्की स्ट्रेचिंग या योग करने से भी शरीर का तापमान संतुलित रहता है।

हार्मोनल बदलाव

एक्सरसाइज करने से शरीर में एक खास प्रकार का रसायन निकलता है, जो खुशी और सुकून का एहसास दिलाता है। यह सही है कि कुछ लोग इसे नींद में खलल पड़ने का कारण मानते हैं, लेकिन वैज्ञानिक नजरिये से देखा जाए तो यह रसायन आपकी नींद को बेहतर बनाता है। नियमित एक्सरसाइज करने से नींद की गुणवत्ता सुधरती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इसलिए, शाम को एक्सरसाइज करना फायदेमंद हो सकता है।

मानसिक शांति और तनाव प्रबंधन

शाम को एक्सरसाइज करने से मानसिक शांति मिलती है और तनाव कम करने में मदद मिलती है। जब आप नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं तो आपका मन शांत रहता है और आप बेहतर तरीके से सोच पाते हैं। इसके अलावा यह आपकी चिंता और तनाव को भी कम करता है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। इसलिए, शाम को एक्सरसाइज करना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

नियमितता का महत्व

कोई भी आदत बनाने के लिए नियमितता जरूरी होती है। अगर आप शुरूआत में थोड़ी असुविधा महसूस करें तो घबराएं नहीं। धीरे-धीरे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। समय के साथ आपका शरीर इसे अपनाने लगेगा और आपको कोई दिक्कत नहीं होगी। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि शाम को एक्सरसाइज करने से नींद पर बुरा असर पड़ता है या नहीं, इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं में दिया जा सकता है।

००

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का 16 अप्रैल को सिवनी मालवा आगमन प्रस्तावित

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री आगमन से संबंधित सभी तैयारियां का स्थल निरीक्षण किया पैदल चलकर रोड शो के रूट चार्ट का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का गुरुवार 16 अप्रैल को नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा तहसील में आगमन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ यादव के सिवनी मालवा भ्रमण के दौरान आम सभा तथा शहर में रोड शो का कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए मंगलवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा के साथ आम सभा स्थल कृषि उपज मंडी एवं रोड शो के लिए चिन्हित स्थानों का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड स्थल पर जाकर भी निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित रोड शो को दृष्टिगत रखते हुए अपने प्रशासनिक अमले के साथ पैदल दक्षिणामुखी हनुमान मंदिर से होकर रेंज ऑफिस चौराहा , कल्लू चौक , नर्मदा मंदिर चौक, सराफा बाजार, गांधी चौक , जय स्तंभ चौक, पुराना बस स्टैंड तक का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को रोड शो के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ यादव दक्षिणामुखी हनुमान मंदिर से पूजन अर्चन कर रोड शो का शुभारंभ करेंगे । तथा जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ करेंगे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कृषि उपज मंडी में आयोजित होने वाली आम सभा स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तथा सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध रूप से सभी कार्य पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि पूजन एवं लोकार्पण के कार्यक्रम के संबंध में सभी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही कलेक्टर ने मुख्य कार्यक्रम स्थल पर की जाने वाली समस्त व्यवस्थाओं की सुरक्षा जांच, बैरिकेडिंग, कार्यक्रम स्थल के लिए पास , कार्यक्रम में बड़े जन समूह के आने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए सभी अधिकारियों को एकीकृत समन्वय प्रणाली के साथ जुड़कर सभी स्थिति में त्वरित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर बनाए जा रहे सभी सेक्टर में अधिकारियों की तैनाती करने एवं प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्य सभा स्थल पर विद्युत व्यवस्था चाक चौबंद रहे। उन्होंने वीआईपी बैठक व्यवस्था, पत्रकार गैलरी, महिला एवं आम नागरिक दीर्घा के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए । कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी तैयारियो का सुक्ष्मता से मुआयना कर की जा रही व्यवस्थाओं को परखा । निरीक्षण के दौरान विधायक प्रेम शंकर वर्मा, श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला, संतोष पारीक सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण, अपर कलेक्टर अनिल जैन एवं बृजेंद्र रावत सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे ।

सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच ने भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

नर्मदापुरम (निप्र)। सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच द्वारा नेहरू पार्क में उपस्थित होकर डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती को मनाया गया इस अवसर पर उपस्थित अरुण दीक्षित लखन रघुवंशी डॉक्टर मयंक तोमर जयशंकर तिवारी आजाद पंकज साद बद्री प्रसाद कौरव जय बाला निगम सहित अन्य सदस्य उपस्थित हुए। लखन रघुवंशी डॉ मयंक तोमर अरुण दीक्षित ने बाबा साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहब सामाजिक समरसता के प्रेरणा स्रोत थे। अंत में संस्था का मिशन गीत इंसान का इंसान से हो भाईचारा यही पैगाम हमारा गाकर बाबा साहब अमर रहे का नारा लगाते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

मंगलवारा घाट पर स्थित गुरुद्वारे में भक्ति भाव से मना वैशाखी पर्व

50 वर्ष पूर्व वैशाखी पर्व पर ही रखी गई थी गुरूद्वारे की नीव

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा तट के मंगलवारा घाट स्थित प्राचीन गुरूद्वारे में वैशाखी पर्व पर धार्मिक कार्यक्रम हुए। शिख समाज के प्रमुख पर्व के अवसर पर सुबह से ही गुरूद्वारे में कार्यक्रम शुरू हो गए थे। इस मौके अखंड पाठ प्रभात फेरी के आयोजन हुए। भजनों की प्रस्तुति हुई। चड्ढा परिवार ने बताया कि बैशाखी पर्व के अवसर पर ही मंगलवारा घाट पर गुरूग्रंथ साहब की स्थापना के लिए गुरूद्वारे की नीव रखी गई थी। इस प्रसिद्ध गुरूद्वारे में 350 वर्ष से अधिक प्राचीन गुरूग्रंथ रखा हुआ है। तभी से गुरु ग्रंथ साहिब को उसी स्थान पर जहां नानक जी ठहरे थे, स्थापित कर दिया गया और उसके बाद यहां प्रतिदिन नियमित पूजा-अर्चना शुरू हो गई और शबद कीर्तन एवं लंगर इत्यादि आयोजन शुरू हुए जो क्रम निरंतर जारी हैं। यह धार्मिक स्थल सिख समाज के साथ ही अन्य समाज के लिए भी धार्मिक स्थान है।

नर्मदा जी के महत्व को जानते थे गुरूनानक जी

सिख समाज के श्रद्धालु बताते हैं कि गुरूनानक जी मां नर्मदा के महात्म्य को जानते थे तभी वे अपनी दूसरी यात्रा के समय जीवों का उद्धार करते हुए यहां आए थे और यहां मंगलवारा घाट के समीप रूके थे। ऐसा बताया जाता है कि उस समय यहां पर होशंगशाह का राज्य था। तब उनके आने की खबर राजा होशंगशाह को लगी तब राजा उनसे मिलने पहुंचे थे।

नर्मदापुरम जिले में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में जनपद पंचायत परिसर नर्मदा पुरम में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती के अवसर पर मंगलवार को जनपद पंचायत नर्मदापुरम परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर सोमेश मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम अनिल जैन, सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह, एसडीएम जय सोलंकी, सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी एवं क्षेत्र संयोजक हर्षित कौरव सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में बच्चों एवं छात्राओं द्वारा नृत्य, नाटक, भाषण एवं डॉ. अंबेडकर के जीवन पर आधारित गायन की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। महाविद्यालयीन नवीन कन्या छात्रावास आईटीआई द्वारा लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। वहीं महाविद्यालयीन जनजातीय कन्या छात्रावास आनंदनगर, नर्मदापुरम द्वारा समूह गान एवं भाषण तथा महाविद्यालयीन अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास, नेहरू पार्क, नर्मदापुरम द्वारा समूह नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

कांग्रेस ने मनाई अंबेडकर जयंती, पुष्प मालाएं अर्पित की

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर कांग्रेस कमेटी नर्मदापुरम् द्वारा बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर 135 वीं जयंती मनाई गई इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में बाबा साहब को सामाजिक न्याय का पुरोधा कहा। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कपिल फौजदार पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्येंद्र फौजदार प्रदेश महासचिव राजकुमार केलु उपाध्याय ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पार्षद अनोखे लाल राजोरिया, पूर्व नपाध्यक्ष मीना वर्मा, संतोष तोमर, शरीफ राइन अजय सैनी ग्रामीण अध्यक्ष अनुराग मलैया, धर्मेंद्र तिवारी, शैलेश शुक्ला मंजूलमनी ढिमोले

कुलदीप राठौर अजय अहिरवार दीपक सिसोदिया सौरभ राय राजू मिश्रा विजय वर्मा तुका राम यादवेश, महेंद्र गुजरे बबलू राठौर विनीत गौर नीरज सैनी अशोक अहिरवार जागेश यादव यादव विशाल प्रधान मधुसूदन यादव अनिल रेकवार प्रताप राजपूत आदि उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि शहर के मध्य में अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना की पहल कांग्रेस शासनकाल में पांच बार के पार्षद अनोखे लाल राजोरिया के द्वारा प्रथम बार पार्षद बनने के दौरान परिषद में प्रस्ताव रखवाने की पहल करते हुए तत्कालीन नगर पालिका परिषद में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास करवाया गया था। उसके बाद प्रतिमा की स्थापना हुई थी।

शासन के निर्देशों के अनुरूप ही हो समर्थन मूल्य पर खरीदी, परिवहन और उठाव व्यवस्था में निरंतरता बनी रहे : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिला उपार्जन समिति की बैठक के दौरान दिए महत्वपूर्ण निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले में संचालित गेहूं उपार्जन कार्य को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी आवश्यक दिशा-निर्देश उपार्जन कार्य में संलग्न प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी तक क्रमवार विस्तारपूर्वक प्रसारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारू एवं चाक-चौबंद रहें, यह सुनिश्चित किया जाए।जिला उपार्जन समिति की बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि उपार्जन के दौरान प्रत्येक विकासखंड में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर स्लॉट बुकिंग तथा अन्य आवश्यक सूचनाओं आई जानकारी एसएमएस के माध्यम से मिलती रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मद्देनजर अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अचानक मौसम परिवर्तन की स्थिति में उपार्जित गेहूं को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल, शेड तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि उपार्जित स्कंध का नियमित परिवहन निरंतर जारी रखा जाए।

उठाव के लिए अनुबंधित परिवहन फर्म के पास उपलब्ध वाहनों की संख्या का आकलन किया जाए तथा उनके नियमित रोटेशन की मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए।कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि समर्थन मूल्य पर की जा रही खरीदी में गेहूं की तुलाई, उठाव एवं स्टैकिंग के लिए हम्मालों एवं अन्य संसाधनों की किसी भी प्रकार की कमी न हो। साथ ही किसानों को उपज विक्रय के पश्चात भुगतान समय पर और शीघ्रता से किया जाए, इसके लिए जिला एवं खंड स्तरीय समितियां नियमित निगरानी करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी उपार्जन केंद्रों पर शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही खरीदी की जाए तथा केवल एफएक्यू (उचित औसत गुणवत्ता) स्तर के गेहूं का ही उपार्जन सुनिश्चित किया जाए।

बजरिया के सार्वजनिक पार्क में हो रही मनमानी, बढ़ रही आवारागर्दी

क्रिकेट खेलने वाले महिलाओं और वरिष्ठों से कर रहे मुंहजोरी छोटे बच्चों और महिलाओं को बना रहता है खतरा

नर्मदापुरम (निप्र)। इतवारे बाजार के पीछे शहर के बजरिया मोहल्ले के सार्वजनिक पार्क में कुछ युवाओं के द्वारा मनमानी की जा रही है। यहां पर छोटे बच्चे तथा महिलाएं आती हैं तो उनको क्रिकेट खेलने वाले कुछ युवा मना करते हैं। यहां तक कि बल्ले और वाल से छोटे बच्चों को खतरा बना रहता है। यदि कोई महिला या वरिष्ठ नागरिक इन युवाओं से मना करते हैं तो उनको दादागिरी दिखाते हुए धमकाने का प्रयास करते हैं। यहां तक कि कुछ तो आवारागर्दी भी हो रही है। इशारेबाजी और अन्य आसामाजिक गतिविधियां पनप रही है जिससे किसी दिन बढ़े झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए नगर पालिका से यहां पर क्रिकेट खेलने वालों को रोकने तथा आवारागर्दी पर रोक लगाने की मांग की जा रही है।

महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि शाम को जब मोहल्ले की महिलाएं या बच्चे पार्क में जाना चाहते हैं तो वहां पर पहले से ही कुछ युवाओं का कब्जा हो जाता है। पार्क को खेल मैदान बनाने की कोशिश की जा रही है। यहां पर लगे हुए पेड़ पौधों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

जिससे पार्क की खुबसूरती नष्ट हो रही है। मोहल्ले के नागरिकों ने बताया कि नगर पालिका की जनसुनवाई में आवेदन देकर इस तरह की अवैधानिक गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की जाएगी।

सीएसआर पहल के तहत वर्धमान फैब्रिक्स बुधनी ने जिला चिकित्सालय को 600 बेडशीट एवं पिलो कवर किए प्रदान

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के अंतर्गत आज वर्धमान फैब्रिक्स, बुधनी द्वारा जिला चिकित्सालय को 600 बेडशीट एवं पिलो कवर प्रदान किए गए। यह सहयोग स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। इस अवसर पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पियूष शर्मा, महेंद्र यादव एवं वर्धमान परिवार से दीपक राणा, शोएब मिर्जा, दीपक सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय की ओर से सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कमले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी (DHO) डॉ. सृजन सिंह सेंगर, आरएमओ डॉ. गजेन्द्र यादव, डॉ. अखिलेश सिंघल सहित अन्य चिकित्सक एवं स्टाफ मौजूद रहे।

नर्मदापुरम जिले में पैक्स सदस्यता अभियान का शुभारंभनए सदस्यों को मिलेगा शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश स्तर पर बहुदेशीय पैक्स (क्ष्ट्स) में नवीन सदस्य बनाए जाने हेतु 14 अप्रैल से 15 मई तक विशेष सदस्यता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में नर्मदापुरम जिले में भी आज से इस अभियान की शुरुआत की गई। जिला सहकारी बैंक नर्मदापुरम से संबद्ध सभी बहुदेशीय पैक्स में यह अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत नई सदस्यता प्रदान कर पात्र कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे तथा उन्हें नगद एवं वस्तु रूप में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी।अभियान की शुरुआत उपायुक्त सहकारिता द्वारा सेमरीखुर्द सोसाइटी में की गई, जहां 7 नए सदस्यों की अंशपूंजी एवं सदस्यता शुल्क जमा कराकर उन्हें सदस्य बनाया गया। सहकारिता विभाग द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को सहकारी संस्थाओं से जोड़कर उन्हें सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध कराना एवं उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाना है।

श्रद्धा और संकल्प: भाजपा कार्यकर्ताओं ने संजय नगर में डॉ. अंबेडकर को दी भावांजलि

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी नर्मदापुर मंडल द्वारा ग्वालटोली स्थित संजय नगर में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन और उनके विचार युगों-युगों तक राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति के उत्थान के लिए जो मार्ग दिखाया है, भाजपा उसी पथ पर अग्रसर है।इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, भाजपा कार्यालय मंत्री प्रशांत दीक्षित एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित गौर उपस्थित रहे। इनके साथ ही पार्षद वंदना चुटिले, पूर्व पार्षद नंदकिशोर यादव, पार्षद सुषमा खत्री, प्रशांत पालीवाल, चंदन साहा,सुचित्रा यादव,कामलराव चव्हाण,संतोष मीना,मनीष परदेशी,सुमित गौर, दुर्गेश चौधरी, धनराज यादव, अमन चुटीले और अनिल अहिरवार,अखिलेश व्यास,विशाल दीवान सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता का नर्मदापुरम में भव्य शुभारंभ आज से

नर्मदापुरम (निप्र)। अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता विधायक कप नर्मदांचल फुटबॉल लीग का शुभारंभ के मुख्य अतिथि के रूप सासंद दर्शन सिंह चौधरी कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधान सभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम इटारसी विधायक डॉ सीतासरन शर्मा मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा नगर पालिका नर्मदापुरम अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव इटारसी नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के आतिथ्य में प्रारंभ होने जा रहा है। नर्मदांचल फुटबॉल लीग आयोजन समिति के सचिव सागर शिवहरे ने बताया कि आयोजन का शुभारंभ सभी धर्मों के धर्माचार्य के द्वारा गुब्बारे उड़ाकर किया गया। फुटबॉल लीग के आयोजन श्रृंखला में अमरावती भोपाल पचमढ़ी विदिशा सीहोर भुसावल मध्य प्रदेश पुलिस एवं नागपुर की टीम भाग ले रही है। उपरोक्त कार्यक्रम 05 दिवसीय होगा जिसमें में द्वितीय दिवस मुख्य रूप से महिला फुटबॉल पर केंद्रित रहेगी। 05 दिवस चलने वाले इस कार्यक्रम में तीन श्रेणी में रखा गया है सीनियर, जूनियर एवं मिनी श्रेणी में हो रहा जिसमें विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में समिति सदस्य सागर शिवहरे, अर्पित मालवीय, नमन दुबे, नरेंद्र परमार, देव गोहिया, उदित मांझी, आर्यन, फरहान अली, पवन रैकवार, कोच रजत सोनी, आनंद शर्मा रोहित सैनी एवं समस्त फुटबॉल प्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल:- cepwdcapital@mp.nic.in दूरभाष/फेक्स क्रमांक, 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 06/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2026) भोपाल दिनांक 08.04.2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि(रू. लाख में)	रिमार्क
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_498262_1	राजगढ़	मार्ग	एन.एच.52 से रसुलपुरा मार्ग ल. 3.26 कि0मी0 का निर्माण	प्रथम	530.77	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाईन प्रस्तुत किये जाना है।
2	2026_PWDRB_498263_1	नर्मदापुरम	मार्ग	शिवपुर तालकेसरी से बहारपुर मार्ग का निर्माण	तृतीय	500.42	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाईन प्रस्तुत किये जाना है।
				योग		1031.19	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 28.04.2026 (17.30) बजे तक निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी/11536/

मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग,
भोपाल परिक्षेत्र भोपाल

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

नारी शक्ति नेतृत्व का नवयुग

'नारी शक्ति वंदन' सम्मेलन

15 अप्रैल, 2026 | रवीन्द्र भवन, भोपाल

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण सुनिश्चित करने वाला **'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'** नारी शक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्त भविष्य का ऐतिहासिक संकल्प है। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से **अभिनंदन एवं आभार**"

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11006/26

सशक्त नारी, सशक्त देश

राज्य स्तरीय नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा
(10 -25 अप्रैल 2026)

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026